

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 42]

नई विल्ली, शनिवार, अक्तूबर 17, 1981 (आश्विन 25, 1903)

No. 421

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 17, 1981 (ASVINA 25, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में एखा जा सके (Separate paging is given to this Fart in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खन्द 4 [PART III—SECTION 4]

विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विकापन और स्थनाएं सिमलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

दि इन्स्टीट्यूट भ्राफ चार्टंड एकाउन्टस भ्राफ इंडिया नई दिल्ली-110002, दिनांक 1 अक्टूबर 1981

(चार्टर्ड एकाउन्टेंटस)

सं० 1 [सी० ए०] (124)/81]—चार्टड एकाउन्टेन्टस आफ इंडिया के संशोधन में कुछ निम्नलिखित ड्राफ्ट जिसे चार्ट्ड एकाउन्टेंटस एकट 1964 एकट (XXXVII 1949) के चार्ट्ड एकाउन्टेंटस की उप-धारा (1) तथा धारा 30 द्वारा दी गई शिक्तयों के लागू करने में प्रस्तावित है, उन सभी व्यक्तियों के हित को ध्यान में रखकर प्रकाणित की गई है जो इससे प्रभावित हो सकते हैं तथा एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ड्राफ्ट 17 नवम्बर, 1981 को या उसके बाद विचार के लिए लिया जायेगा।

कथित ड्राफ्ट के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति से समय पर प्राप्त कोई भी सुझाव व ग्राप्ति चार्टेड एकाउन्टेंट्स ग्राफ इंडिया नई विल्ली भी काउंसिल ग्राफ इन्स्टिट्यूट द्वारा विचारणीय होगा। इस कथित ग्रिधिनियम में 1 वर्तमान नियम 2 (i) (ii) 28901/81

(बी) के स्थान पर निम्नलिखित को लाना (लाना) "(ii) "ग्रेज्यूट" का प्रर्थ

x x X X

- (बी) इन विनिदेशों के श्रधीन ट्रेनिंग के लिए जो पहली अक्तूबर, 1973 को या उसके बाद शुरु हुई थी म्यूजिक, आसिंग, पेन्टिंग, फोटोग्राफी, स्कल्पचर तथा इसी तरह के विषयों को छोड़, भारत में विधिद्वारा निर्मित विश्वविद्यालय का स्नातक या स्नासकोत्तर या केन्द्रीय सरकार क्षारा श्रीभस्वीकृत समकक्ष कोई श्रन्य विश्वविद्यालय श्रथवा इंन्टीट्यूशन्स।
- 2. वर्तमान सब-रेगुलेशन (9) के लिए रेगुलेशन 29 में ज्यवस्था तथा छूट निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित है.
- "(9) किसी भो सब-रेगुलेशन (2) (5) (6) (7) तथा (8) के भ्रधीन एक या भ्रधिक भ्राटिकल क्लर्जों को ट्रेन्ड करने के लिए ग्राह्य व्यक्ति उन दो व्यक्तियों को प्रशिक्षित करने के लिए ग्राह्य होगा जिन्होंने इन दो परीक्षाओं को भ्रतिरिक्त भ्राटिकल्ड

क्लकों के रूप में कुल ग्रंकों के 60 प्रतिशत के न्यूनतम के रूप में प्राप्त किए हों।

बशर्ते कि इस सब-रेगुलेशन का लाभ उस प्रत्याशी को न मिलता हो जिसे शेष्ट्रयूल 'बीबी' के पैराग्राफ 1 के ध्रानर्गत पूरी परीक्षा के किसी भी या समस्त प्रश्नपत्नों में प्रवेश में छुट मिली हो।

छूट श्रंकों का प्रतिणत गिनते समय आधाया श्रधिक को श्रगला पूरा श्रंक माना जायेगा।

3 (1) वर्तमान रेगुलेशन $3.2^{\rm pp}$ के नाम मे परिवर्तन इस प्रकार है :—

"32ए प्रथम ध्रक्तूबर 1973 को या इसके बाद किन्तु 1 ध्रक्तूबर 1982 के पूर्व घ्राटिकलणिप में प्रवेण

(2) रेगुलेशन 32 ए (1) (बी) (2) में भ्रन्त में ये शब्द जोड़े

"या एकाउन्टेन्सी परीक्षा में सरकारी डिप्लोमा पास किया हो या एकाउन्टेंसी में सरकारी डिप्लोमा के देने के लिए नियमों द्वारा उसके समकक्ष भ्राभस्वीकृत परीक्षा :

4. रेगुलेशन 32ए के बाद निम्नलिखित नए रेगुलेशन 32 एए जोड़ें

"32एए श्रक्तूबर 1982 की पहली तिथि को या उसके बाद भाटिकलिए में प्रवेश

- (1) । श्रक्तूबर, 1982 को या उसके बाद श्रार्टिकल क्लर्क के रूप में कार्यरत व्यक्ति, इससे पूर्व कि उसे श्रार्टिकल क्लर्क के रूप में स्वीकार किया जाय, वह इस बात से सन्तुष्ट हो जाय कि:
- (ए) उसकी व्यावसायिक गतिविधियां उसके नियोजक की, यदि वह प्रैक्टिस में किसी चार्टर्ड एकाउन्टेंट का कर्मचारी है या इसी तरह की चार्टर्ड एकाउन्टेंटस की फर्म का कर्मचारी है, वह ट्रेनिंग भ्राटिकल क्लर्क के लिए उपयुक्त है तथा

(बी) ऐसे व्यक्ति :

- (1) श्रार्टिकल्स की शृरू होने की तिथि को 18 वर्ष से कम श्रायुकान हो ।
- (2) उसने इन रेगुलेशनस के श्रन्तर्गत इन्ट्रेस परीक्षा उत्तीर्णकी हो।
- (3) रेगुलेशन 2 के सब-रेगुलेशन (1) के क्लाज (VII) के अनुसार ग्रेजुएट हो।

यां

- (सी) ऐसे व्यक्ति ने एकाउन्टेंसी परीक्षा में सरकारी डिप्लोमा प्राप्त किया है या ऐसी ही श्रभिस्वीकृत समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की हो जिसमे एकाउन्टेसी में सरकारी डिप्लोमा देने की व्यवस्था हो।
- (2) ऐसा होते हुए भी उपरोक्त सब रेग्लेशन (1) के क्लाज (बी) के सब क्लाज (3) में विणित कोई तथा रेगुलेशन 34 बी के सब रेगुरेशन (4ए) की धाराश्रों के श्रनुसार एक सदस्य किसी ब्यक्ति को श्राटिकल क्लर्क के रूप में स्वीकार कर सकता है

यदि उसने उन व्यवस्थाश्रों के श्रन्तर्गत सम्पूर्ण परीक्षा उत्तीर्ण की हो तथा उस श्रन्तिम ग्रेजुएशन परीक्षा में बैठ चुका हो जिसका परिणाम श्रभी घोषित नहीं हुआ है।

5. रंगुलेशन 34बी में

- (i) सब-रेगुलेशन (3) में "पन्द्रह दिनों" शब्द के लिए "30 दिन" होगा।
- (ii) सब-रेगुलेणन (3) में "रेगुलेणन 32 ए" के बाद तथा "भेजा जायेगा" शब्द के पूर्व "रेगुलेणन 32एए" शब्द जोड़े जैसा भी मामला हो।
- (iii) सब रेगुलेशन (4) में (ए) "16 तथा 30 दिन के बीच" शब्द "31 तथा 45 दिन" शब्द प्रतिस्थापित है (बी) "इसकी रसीद से पूर्व 16 दिन" शब्द के लिए "इसकी रसीद से पूर्व 31 दिन" शब्द है।
- (4) सब-रेगुलेशन (4) के बाद निम्नलिखित जोई:
- "(4ए) रेगुलेशन 32एए के सब-रेगुलेशन (2) में आने वाले व्यक्ति का आर्टिकल्स प्रोविजन के रूप में पंजीकृत होगा तथा प्रोवीजनल रिजस्ट्रेशन, जिसका उल्लेख अन्तिम ग्रेजुएशन परीक्षा के सम्बन्ध में प्रोवीजन रिजस्ट्रेशन की तिथि से नौ महीने की अविधि के भीतर सेकेटरी को उसके बारा दिए गए प्रमाणों की सन्तुष्टि के बाद ही पंजीकरण की पुष्टि होगी वह रेगुलेशन 2 के सब-रेगुलेशन (1) के क्लाज (7) के अथीं में वह स्नातक बन गया है। जहा कोई प्रत्याशी उपरोक्त विणत अविधि के भीतर ऐसे प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर पाता, आर्टिकल्ड क्लर्क के रूप में उसका प्रोवीजनल रिजस्ट्रेशन पता, आर्टिकल्ड क्लर्क के रूप में उसका प्रोवीजनल रिजस्ट्रेशन पद हो जायेगा तथा उसके द्वारा दी गई ट्यूंशन फीस या रिजस्ट्रेशन फीस को लौटाया नहीं जायेगा तथा इन रेगुलेशनों के उद्देश्य के लिए ली जाने वाले प्रशिक्षण के लिए कोई भी लाभ नहीं विया जायेगा।
- (5) सब-रेगुलेशन (5) में "में कुछ भी वर्णित नहीं है" शब्द के बाद तथा "इस रेगुलेशन" शब्द के पूर्व "मब-रेगुलेशन (1) के" को जोड़ा जाये।

6. रेगुलेशन 48 बी में

- (1) नाम का परिवर्तन निम्नानुसार
- "48बी 1 श्रक्तूबर 1973 के बाद किन्तु 1 श्रक्तूबर 1982 के पूर्व श्राडिट क्लर्क का रंगुलेशन
- (1) सब-पैराग्राफ (1) में 'सेवाग्रों के रजिस्टरीज' के स्थान पर 'सेवाग्रों के लिए पंजीकरण के लिए प्रावेदन' है।
- 7 रेगुलेशन 48बी के बाद निम्नलिखित नए रेगुलेशन लिखे 48 बीबी प्रथम श्रक्त्बर, 1982 को या इसके बाद श्राबिट क्लर्कों का पंजीकरण
- (1) 1 अक्तूबर 1982 को या इसके बाद एक भ्राडिट क्लर्क की सेवा के पंजीकरण के लिए प्रत्याशी स्वय सन्तृष्ट हो कि
- (ए) श्राडिट क्लकों के रूप में कार्य करने के लिए उसकी व्यावसायिक प्रैक्टिस उपयुक्त है।
 - (बी) ऐसा कोई भी व्यक्ति
- (1) श्राष्ट्रिट मेवा में श्राने की तिथि को 18 वर्ष से कम श्रायु कान हो ।

- (2) उसने इन ग्रिधिनियमों के ग्रन्तर्गत इन्ट्रंस परीक्षा पास की हो।
- (3) रेगुलेशन 2 के सब-रेगुलेशन के क्लाज (7) के अर्थ के भीतर स्नातक हो।
- (सी) ऐसा होते हुए भी उपरोक्त क्लाज (बी) के सब-क्लाज (3) में उल्लिखित कोई भी सबस्य किसी व्यक्ति को श्राडिट क्लर्क के रूप में स्वीकार कर सकता है यदि उसने इन व्यवस्थाओं के श्रन्तर्गत इन्द्रेंस परीक्षा पास की हो तथा श्रपनी अन्तिक ग्रेजुएशन परीक्षा में बैठा हो जिसका कि श्रभी श्रभी परिणाम श्राना है।
- (2) उपरोक्त सब-रेगुलेशन (1) के क्लाज (सी) में आने वाल व्यक्ति की आडिट सेवा प्रोबाजनली रिष्टर्ड होगी तथा प्रोबाजनल रिष्ट्रंड होगी तथा प्रोबाजनल रिष्ट्रंड होगी तथा प्रोबाजनल रिष्ट्रंड होगी तथा प्रोबाजनल रिष्ट्रंड के इस आश्रय का प्रमाण पत्न प्रोबाजनल रिष्ट्रंड को इस आश्रय का प्रमाण पत्न प्रोबाजनल रिष्ट्रंड को की साह के भीतर है दिया जाता है कि वह रेगुलेशन (2) के सब-रेगुलेशन (1) के क्लाज (7) के अर्थों में स्नातक बन गया है। जहां कथित समय के भीतर कोई व्यक्ति ऐसे प्रमाण प्रस्तुल नहीं कर पाता, आडिट क्लक के चप में प्रोबाजनल रिष्ट्रंजिन पर्द किया जायेगा तथा रिष्ट्रंडिंगन फीस या ट्यूशन फीस जिमे उसने दिया है लौटाई नहीं जायेगी तथा इन रेगुलेशनों के उद्देश्य के लिए लिए गए प्रशिक्षण के फिए कोई भी। लाभ नहीं दिया जायेगा।
- (3) प्रत्येक आडिट क्लर्क के लिए यह श्राभार स्वरूप होगा कि सेवा में जाने सं पूर्व वह इंस्ट.ट्यूट द्वारा पोस्टल ट्यूणन ले। श्राडिट क्लर्क अपने नियोजक के माध्यम से श्रपनी सेवायें श्रारम्भ होने के 30 दिन के भीतर फार्म नं 16 बार म एक आवेदन देगा जिसके नाथ में इस रेगुलेशन की अप्रेक्षाओं को पूरा करने के लिए साक्ष्य प्रलेख तथा आडिट क्लर्क के रूप में रिजस्ट्रेशन फाम कींमल द्वारा समय समय पर घोषित ट्यूशन फीम, ट्यूशन फास यानो एक मुश्त या कौंमिल द्वारा निधारित किश्तों में देय होगी।
- (4) उपरोक्त सब पैराग्राफ (3) में विणित पंजीकरण के लिए यदि आवेदन पत्न निर्धारित समय ने भीतर प्राप्त न हुन्ना तो सिवव वेरी को स्वीकार कर सकता है। यदि सदस्य सेकेटरी की सन्तुष्टि ने लिए यह साबित कर दे कि जैसे विवरणों को नियस समय पर भेजने में रोका जा रहा था। यह वह सदस्य से आवेदन सेवाये आरम्भ करने के 31 तथा 45 दिन ने भातर प्राप्त कर लेते हैं। ऐसा न करने पर सेकेटरी सेवा ने शुरू होने की तिथि को उनके द्वारा उसके प्राप्त के 31 दिन पूर्व समझेगें।
- (5) सब-रेगुलेणन (3) में उन्लखित पोस्टल ट्यूणेन कोर्स के बारे में उस प्राडिट क्लर्क के ऊपर लागू होगा जिसने एकाउटेंसी पर्धामों सरकारा डिप्लोमा पास किया हो या एकाउन्टेसी में सरकारी डिप्लोमा दिए जाने के लिए नियमों द्वारा उसके समकक्ष प्राभिस्वाकृत परीक्षा पास की हो।
- (6) कौंमिल प्रत्याशी को उसकी बात सुनने के प्रवसर वेने के बाद प्राडिट क्लर्क के रूप में उसकी सेवाफ्रों के पंजीकरण की रह कर सकती है।

- 9. फार्म 16ए में निम्निलिखित परिवर्तन किए गए है:---
- (1) पार्ट ए
- (1) ग्राइटम नं० 14 के बाद निम्नलिखित जोड़ें :---
- "15 यदि श्राटिकम क्लर्क स्नातक नहीं है किन्तु स्नातक पराक्षा की श्रन्तिम पर क्षा में बैठा है।
 - (ए) विश्वविद्यालय ता नाम
 - (बः) प्रन्तिम स्नातक परक्षा का नाम जिसमे उसने प्रवेश लिया है
 - (सं:) पर:क्षा की तिथि

"मैं यह स्वाकार करता हूं कि यदि रंगुलेशन 32एए के अन्तर्गत मुझे प्रोवाजनल रिलस्ट्रेशन दिया गया तो अपने प्रोवाजनल रिलस्ट्रेशन दिया गया तो अपने प्रोवाजनल रिलस्ट्रेशन की तिथि से नौ महानों ने भीतर अपने स्नातक बनने ने प्रमाण प्रस्तुत वर्षगा जिनकी व्यवस्था चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस रंगुलेशन 1964 की रंगुलेशन 2 (1) (7) के अर्थी में की गई है। ऐसा न करने पर आर्टिकल्म ने लिए मेरा प्रोवीजनल रिलस्ट्रेशन रद्द समझा जाये तथा रिजस्ट्रेशन का साय प्रयूगन की जिसे मने दिया है नहीं लोटाई जायेगी तथा ला गई ट्रेनिंग का मुझे कुछ भा लाभ नहीं मिलेगा।

(ii) भाग-बं

नियोक्ताको प्रागाम, "घोषणा" वे क्लाइ: (1) वे लिए निम्नि-विक्वित कास्थानापन्न:

- "(1) मैं पूर्ण तरह सं सन्तुष्ट हूं कि आदित्र व्हार्क क्लर्क चार्टर्ड एका उन्हेटनम रेगुलेशन 1964 के अन्तर्गत प्रशिक्षण पाने • के लिए ग्राहम है और यह कि
 - (ए) उसने *16/18का स्रायुपूर्णकरला है
- *(बा) वह चार्टर्ड एकाउन्टेटम रगुलेणन्स 1964 की धारा 2 (1) (7) के प्रथी के ध्रमुसार स्नातक है: तथा
- (स) उसने इन व्यवस्थान्नों के प्रन्तर्गत इन्ट्रेंस परःक्षापास कर लः है।
- *(1ए) आर्टिकल्ड करके ने भेरे समक्ष यह घोषणा की है कि वह उस अन्तिम स्नातक परीक्षा में बैठा है जिसका परिणाम अभी आना है।

''नोट : *जो लागू नहो उसे काट दें

- फार्म 16 ब ० में, निम्नलिखित परिवर्तन किए गए है:
- (i) पार्ट ए

ब्राइटम नं० 10 ने बाद निम्नलिखित को जोड़े

- *11 यदि श्रांडिट क्लर्क स्नातक नहीं है किन्तु वह श्रपनी स्नानक की अन्तिम परीक्षा में बैठा है: तो
 - (ए) विश्वविद्यालय का नाम
 - (बा) जिसमें सह प्रविष्ट हुआ है उस अन्तिम ग्रेजुएट परीक्षा का नाम
 - (सो) परकाकः विधि।
 - *"मै यह स्वीकार करला हूं कि यदि रेगुलेणन 48 बीबी मे

प्रान्तर्गत मुझे प्रोबीजनल रिवस्ट्रेशन दिया गया तो मैं अपने प्रोबीजनल रिवस्ट्रेशन की तिथि में 9 महीने के भीतर प्रपने स्नातक बनने के प्रमाण प्रस्तुत करूंगा जिनकी व्यवस्था चार्टर्ड एकाउन्टेंटस रेगुलेजन 2 (1) (7) के प्रथा में की गई है। ऐसा न करने पर प्राटिकल्स के लिए मेरा प्रोबाजनल रिजस्ट्रेशन रह किया जिये तथा मेरे द्वारा दा गई पंजाकरण फाम और ट्यूशन फीस न लौटाई जाये तथा ली गई ट्रेनिंग का मुझे कुछ भी लाभ न दिया जाये।

(1) नियोक्ता कं श्रागामी 'घोषणा' के लिए, निम्नलिखित से स्थानापन्न किया जाये।

''मैं पुनः घोषणा करता हूं कि

- (1) मैं पूर्ण तरह से सन्तुष्ट हूं कि चार्टर्ड एकाउन्टेटस रेंगुलेशन 1964 के अन्तर्गत आडिट क्लर्क प्रशिक्षण पाने के लिए ग्राह्य है तथा
 - (ख) उसने 16/18 वर्ष की ग्रवधि पुरा कर ली है।
- (बी) वह चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स रेगुलेशन 1964 की रेगुलेशन 2 (1) (7) के प्रथा में स्नातक है, और
- (सी) उसने इन व्यवस्थाश्रो के श्रन्तर्गत इन्द्रेस पराक्षा पास कर की है।
- *(ए) आडिट क्लर्क ने मेरे समक्ष यह घोषणा का है कि वह अपने स्नातक का श्रन्तिम परीक्षा में बैठा है और उसका परिणाम श्रभो भाना बार्क है।

'नोट: *जो ग्राहय नहीं उस भाग को निकाल दे

X बोडियूल 'बा' के पैराग्राफ 10(2) में वर्तमान व्यवस्थाग्रो के लिए निम्न प्रकार स्थानापन्न करे

"बणर्ते कि प्रत्यार्गा जो एक ग्रुप वाल एक प्रश्न पत्न मे फेल होता है किन्तु ग्रुप के शेष प्रश्न पत्नों के कुल श्रंकों का न्यूनतम 60 प्रतिशत प्राप्त एरता है वह उस ग्रुप में पास घोषित किया जायेगा यदि वह उन पेपरों में जिनमें वह फेल हुआ है में आगामी शोध का तीन निम्निक्षित परक्षाओं के किसी एक या श्रिधिक में बैठता है तथा उस पेपर में कम से कम 40 प्रतिशत श्रंक प्राप्त करता है।

पुनः बणर्ते कि कोई प्रत्याशी जो पूर्व की धाराम्रो के यन्तगंत नहीं भ्राता तथा जो एक मुप के एक या मधिक पेपरों में फेल हो जाता है किन्तु उसा मुप के किसा भी। पेपर में 60 प्रतिशत संक प्राप्त कर जाता है तथा उसी मुप के मोष प्रश्नों में प्रत्येक में न्यूनतम 30 प्रतिशत संक प्राप्त कर जाता है तो वह उस पेपर में जिसमें उसने 60 प्रतिशत संक्षम भंक प्राप्त किए हैं शीघ ग्रागामी तीन निम्नलिखित पर क्षाभी के किसो। या समस्त पेपरों में बैठने के लिए ग्राह्य होगा उस मुप में पास घोषित किया जायेगा यदि वह ऐसे पेपरों में एक हा प्रयास में न्यूनतम 40 प्रतिशत श्रंक प्राप्त कर लेता है तथा उसो पूप के कुल श्रंकों का न्यूनतम 50 प्रतिशत शंक प्राप्त कर लेता है जिसमें वह पेपर या पेपर भी, शामिल है जिसमे वह ऊपर कही गई पूर्व परीक्षा में न्यूनतम 60 प्रतिशत श्रक प्राप्त कर लेता है।

XI शेड्यूल 'बाब।' के वर्तमान पैराग्राफ 1 के लिए निम्न-लिखित का स्थानापन्न होगा

1 इन्टेंस परीक्षाम प्रवेश

कोई भी प्रत्याशी इन्द्रेंस परीक्षा में सम्मिलिस नहीं किया जायेगा जब तक वहः

- (1) 16 वर्ष से कम श्रायुकान हो: तथा
- (2) रेगुलेशन 2 के सब पैराग्राफ (1) के क्लाज (7) में प्रयों में स्नातक न हो या स्नातक परीक्षा वे रहा हो।

बणतें कि इस धनुसूची के धन्तर्गत ली गई इन्ट्रेंस परीक्षा में प्रत्याणी बैठा हो किन्तु कथित परीक्षा में तीन बार फेल हो गया हो। इन्ट्रेंस परीक्षा में प्रवेश के लिए ग्राह्य न होगा।

XII शेडयूल 'बीबी' के वर्तमान पैराग्राफ के लिए 1 श्रक्तूबर 1982 से निम्नलिखित का स्थानापन्न होगा:

"इन्द्रेंस परीक्षा के लिए प्रश्न पक्ष तथा सिलेक्स

1 घ्रषत्वर 1982 के उपरांत इन्ट्रेंस परीक्षा के लिए प्रत्याशी को निम्नलिखित. विषयों में परीक्षा देनी होगी तथा उसे सामान्य रूप से पास घोषित किया जायेगा यवि वह एक ही सिर्टिंग में निम्न-लिखित विषयों में कम से कम 40 प्रतिशत ग्रंक प्राप्त करेगा तथा समस्त पेपरों के योग का 50 प्रतिशत ग्रंक प्राप्त करेगा।

प्रक्त पत्न 1 एलीमेंटस भ्राफ एकाउटिंग

(एक प्रश्न-पन्न---तीन घन्टे 100 ग्रंक)

ज्ञान का स्तर इलीमेन्टरी ज्ञान

उद्देश्य न्यूनतम स्कालास्टिक योग्यता हासिस करना तथा विषय में परीक्षा की व्यवस्था करना

विस्तृत विवरण:

- 1 बेसिक एकाउटिंग कान्सेप्टस
 - (ए) डेप्रिसियेशन तथा उसके विभिन्न तरीके
 - (बी) स्टाक वृत्यूशन
 - (सी) कैपिटल तथा रेवेन्यू खर्च में **धंतर**
 - (डी) कैंपिटल तथा रेवेन्यू प्राप्तियों में ग्रंतर
- 2 किसी विशेष सहित ट्रायल बैलेंस को तैयार करने के लिए एका उटिंग प्रोसेस
 - (ए) एरर्सं सथा रेक्टिफिकेशन
 - (बी) ट्रीटमेंट ग्राफ क्लोजिंग स्टाक तथा
 - (सी) मर्केन्टाइल सिस्टम माफ एकाउटिंग
- 3 'नान कार्पोरेट एन्टीरीज' के लिए फाइनल एकाउन्ट बनाना
 - (ए) द्रायल बैसेस से
 - (बी) ध्रपूर्ण रिकाडी सेः तथा
 - (सी) कन्सर्निग नान प्राफिट मेकिंग इस्टिट्यू शन्स
- 4 स्पेशल ट्रांजेंक्शन के लिए एकाजन्त्रण
 - (ए) कन्साइनमेंट तथा
 - (बी) ज्याइन्ट ब्रेंचर
- 5 सेल्फ बैलेंस लेजर्स
- 6 सिम्पल प्रावलम्स इम पार्टनर शिप एकाउन्टस

प्रस्त पल 2 अग्रेजी

(एक प्रश्न पन्न तीन घन्टे 100 धंक)

शान का स्तर: सामान्य शान

उद्देश्य बोलने की क्षमता तथा हावभाव में विद्यार्थी का परीक्षण

विस्तृत विवरण:

- 1 पार्ट ग्राफ स्पीच: क्लासिफिकेशन एंड नाउन्स, इन्फेशियस तथा सिन्टेक्स ग्राफ नाउन्स, प्रानाउन्स, एडजिंटव तथा एडवर्ब, क्लासीफिकेशन, इन्फेशन तथा सिटेक्स ग्राफ वर्क्स, इम्फसाइज ग्रान दि करेंट न्यूज ग्राफ वर्क्स एंड प्रीपरेशन
- 2 रूल्स झाफ कांकर्ड
- 3 कामन एरर इन ग्रामर
- 4 सिंथेटिक्स प्राफ सेन्टेसेज
- 5 डायरेक्ट एंड इनडायरेक्ट (रिपोर्टंड) स्पीच
- 6 यूज ब्राफ ब्राटिकल्स

कम्पोजीशन

- 1 वि पैराग्राफ इन कम्पोजीशन
- 2 पंक्युयेशन
- 3 वाकेबलरी एंड यूज भ्राफ वर्डस
- 4 इंडियन्स तथा फेनेस
- 5 नरेटिव एंड डिस्क्रिप्टिव कम्पोजिशन ·
- 6 ऐस्से धान टापिकल सबजेक्टस

प्रेसीज एंड कम्प्रीहेन्शन बिजनिस कारेसपोन्डेंस

पार्ट 3 बिजनिस मैथेमेटिक्स साथ में स्टेटिस्टिक्स

(एक पेपर तीन घन्टे 100 श्रंक)

नान का स्तर इलमेटरी नालेज

उद्देण्य: क्वेटिटिव टर्मस में बिजनिस समस्याभों के संक्लेषण में विद्यार्थियों की योग्यता का परीक्षण करना।

विस्तृत विवरण:

1 लाजिकल स्टेटमेंट एंड टूथ टेंबल्स

. धर्य: कान्सेप्ट भ्राफ नेगोशियेशन, कम्पाउन्ड स्टेटमेंटस, नेगोशियेशन भ्राफ कम्पाउन्ड स्टेटमेंटस, कण्डीशनल एंड बाई कंडीशनल स्टेटमेंटस, एक्सीयम एंड थ्योरम्स, टाटुलाजिस एंड फालासीज

2 एलीमेंटस भाफ सेटध्योरी

सेट्स का धर्ण तथा किस्म, आपरेशंस धान सेट्स, वैन डायाग्राम्स, डी माग्रेन्स ला, डिफेंस आफ टूलाज, एलजेबा धाफ सेट्स, पावर सेट, पार्टिशन आफ ए सेट, सम्बन्ध

3 एलीमेंटस ग्राफ नम्बर सिस्टम

परिचय: नेचुरल नम्बर, इन्टेगर्स, प्राइम नम्बर्स, रेशनल एंड इर्शेशनल नम्बर्स, रियल नम्बर्स, इमेजिनरी एंड काम्पलेकां नम्बर्स

- 4 इंडिक्स, सर्ड एंड लाग्ररिथम
- (ए) इण्डिक्स---पाजीटिव, फंक्शनल एंड श्रापरेशन्स विद पावर फन्क्शन, सिम्पल एप्लीकेशंस
- (बी) सड्सं—श्रर्थ तथा सड्सं पर ग्रापरेशन्स, मिक्सड सड्सं
 - (भी) लागोरियम—श्वापरेशन्स का ग्रर्थ सथा कानून, .सिम्पल एप्लीकेशन : कम्पाउन्ड इन्टेरेस्ट, एन्यूटि एवं प्रजेंट बैल्य कैलकुलेशन ।
 - 5 इक्वेशंस---लिनर की दशा तथा क्वेड्टिक इक्वेशनस ज्योमेट्रिक एंड एलजेक्निक शाल्यूशन टूइक्वेशन्स
 - 6 पर्मुटेशन, कम्बिनेशन एंड दि बाईनामिकल थ्योरम

रूस भ्राफ कार्डाटग, मीनिग एंड टाइप भ्राफ परम्युटेशन एड कम्बिनेशन, दि बाईनामिश्चल थ्योरम, विभिन्न इण्डिक्स के साथ कुछ एप्लीकेशन्स ।

7 एलीमेंन्टस ग्राफ स्टेटिस्टिक्स

- (ए) स्टेटिस्टेक्स की दशा तथा क्षेत्र बिजनिस तथा अर्थशास्त्र में उपयोगिता।
- (बी) क्लेक्शन, क्लासिफिकेशन एंड टेबूलेशन प्राफ उँटा।
- (सी) स्टैटिस्टिकल इनक्वारीज फार बिजनिस परपन्न।
- (डी) एरर्स इन स्टेटिस्टिक्स राउण्डिंग ग्राफ एंड सिग्नि-फिकेट डिजिटस।
- (ई) डिस्क्रिय्शन श्राफ डैटा एवरेज, डिस्क्रियशन एंड एक्वीनेस

प्रश्न पन्न 4 जनरल कर्माणयल नालेज एंड इकनामिक्स (एक प्रश्न पन्न—तीन घन्टे—100 ग्रंक)

ज्ञान का स्तर: एलीमेन्टरी नालेज

उद्देश्य फ्रेम वर्क के ज्ञान का परीक्षण जिसके भीतर कामर्स तथा एकनामी फंक्शन तथा कर्माशयल प्रोसीजर्स व प्रैक्टिस है। विस्तृत् विवरण

- (ए) जनरल कर्माशयल नालेज
 - 1 कामर्स का अर्थ--देख इण्डस्ट्री तथा प्राफेणस
 - 2 फार्मस श्राफ बिर्जानस श्रागंनाइजेशनस
 - 3 ट्रेड के प्रकार, होलसेलर्स तथा रिटेलर्स के कार्य
 - 4 प्रोसीजर प्राफ ट्रेंड-इन्टरनल एंड इन्टरनेशनल
 - 5 त्रिसिपल भाफ इंग्योरेंस, इन्ग्योरेंस के प्रकार
 - 6 फंक्शन धाफ स्टाक एंड प्रोडयुस एक्सचेंज ।
 - 7 कर्माशयल बैंकों द्वारा धी गई सेवायें
 - 8 आधुनिक कार्यालय कार्य तथा प्रैक्टिस
 - 9 गुडस बिजनिस पक्ष की भ्रावश्यकता तथा बिजनिस पत्नों की भ्रापिटग।

बी---धर्यशास्त्र

10 अर्थशास्त्र की किस्म तथा क्षेत्र

- 11 मांग और पूर्ति का अर्थ, मांग और पूर्ति का नियम, मांग तथा पूर्ति की लींच।
- 12 प्रोडक्शन का अर्थ, फैक्टर्स आफ प्रोडक्शन, स्केल आफ प्रोडक्शन, लां आफ रिटर्न, मेजर कम्पोनेन्टस आफ कास्ट।
- 13 मार्केट का श्रर्थ: मार्केट के प्रकार, की कम्पीटीशन के श्रन्तर्गत मृत्य की सामान्य ध्योरी।

उपरोक्त विवरण प्रत्येक प्रश्नपत्न में पूछे जाने वाले सामान्य पथ प्रदर्णन हैं।

XIII णेड्यूल 'बीबी' के वर्तमान पैराग्राफ के लिए निम्नलिखित द्वारा स्थानापन्न है।

- (1) उसने मई या नवम्बर में परीक्षा में ग्राह्यता के लिए प्रत्येक वर्ष 1 फरवरी या 1 अगस्त को ग्राटिकल्ड क्लर्क के रूप में 9 महीने की सेंद्रा या ग्राडिट क्लर्क के रूप में 9 माह से कम की सेंद्रा या ग्राटिकल्ड क्लर्क के रूप में ग्रांशिक या ग्राडिट वलर्क के रूप में ग्रांशिक सेवा पूर्ण की हो तथा।
- (2) उसने उस कोचिंग संस्था के प्रमुख से किसी भी पदनाम द्वारा प्रमाणपद्ध-प्रस्तुत किया है जो कौसिल के इसिज के अन्तर्गत उस आशय का हो कि उसने पोस्टान ट्यूबन स्कीम की श्रोर से अपेक्षाओं को पूरा किया है।

बणतें कि उपरोक्त प्रमाणपत्न उस श्रवधि के लिए वैध है जो इसके जारी करने की तिथि से माना गया है जो कोचिंग इंस्टीट्यूशन बारा निर्दिश्ट किया है, जहां प्रत्याशी ऐसी शर्तों को पूरा करने के बाद नया प्रमाणपत्न हासिल करता है जो उसकी श्रोर से कोचिंग संस्थान द्वारा रखा गया है।

(2) उपरोक्त सब-पैराग्राफ में वर्णित कोई प्रत्याशी जा 18 जुलाई 1964 को या उसके बाद पहली बार ग्राटिकल्ड या श्राडिट क्लर्क में प्राविष्ट हुन्ना है। इन्टरमीडिएट परीक्षा में नही बैठने दिया जायेगा यदि वह कथित परीक्षा को 12 श्रवसरों में पास नहीं कर लेता है जोकि श्राटिकल्स या सर्विस के श्रन्तगैत श्राडिट क्लर्क के रूप में ट्रेनिंग की शुरुशात की तिथि से 10 वर्षों की श्रविध के भीतर उपलब्ध हो, जैसा भी मामला हो।

> शेडयूल 'बीबी' के वर्तमान पैराग्राफ 6 के लिए निम्निलिखित पैराग्राफ 6 तथा 6ए द्वारा स्थानापन्न ।

''6इण्टरमीडिएट परीक्षा के लिए पेपसे तथा सिलंबस

(1) 1 प्रप्रैल, 1983 में पूर्व ली गई परीक्षा के लिए प्रत्याणी को निम्निलिखित दो ग्रुपो में ग्राने वाले विषयों में बैठना होगा : .

> (क्षेडयूल 'बीबी' पैराग्नाफ 6 के श्रन्तर्गत वर्तमान. सिलेबस श्रपरिवर्षित रहेगा तथा उसका उल्लेख कहीं किया गया है)।

(2) 1 म्प्रजैल, 1983 के बाद ली गई इन्टरमीजिएट परीक्षा में प्रत्याशी की परीक्षा निम्नलिखित दो मुपों वाले विषयों में की जायेगी:—— ग्रुप 1

पेपर 1 एकाउटिंग

(एक प्रश्नं-पत्न तीन घन्टे---100 श्रंक)

ज्ञान का स्तर भ्रच्छा कार्य ज्ञान

उद्देश्य वर्तमान वैधानिक भ्रपेक्षाभ्रों तथा वर्तमान व्यावसायिक स्तरों के भ्रनुसार बिजनिस तथा भ्रन्य सस्थानों (बाडीज कार्पोरेट को छोड़) के वित्तीय मामलों तथा ट्रांजेक्शनों के प्रकाश में भ्रकाउटिंग रिकार्डस तथा भ्रन्तिम एकाउन्टस को सैयार करने में विद्याथियों के ज्ञान की परीक्षा लेना।

विस्तृत विवरण

- एकाउटिंग कन्वेशन्स एंड प्रैक्टिसेंज
 - (भ्र) उसके विवरण तथा विभिन्न तरीके
 - (ब) स्टाक वैल्यूयणन,
 - (स) कैपिटल तथा इन्स्ट्रमेन्टम में भ्रतर
- 2 नेगोणियेबल--इन्स्ट्रूमेंटस से संबंधित एकाउन्टस
- 3 मैन्युफैक्चरिंग ट्रेडिंग लाभ व हानि तथा लाभ व हानि एप्रोपीएशन एकाउण्टस व बैलेंस शीटस श्राफ ट्रेडिंग एंड इण्डस्ट्रियल (साथ में उनकी तैयारी की प्रगति)
- 4 पार्टनरिशप एकाउन्टस साथ में एडिमिशन, रिटायरमेंट, डिसालूशन पीसमील डिस्ट्रिब्यूशन पार्टनरिशप फर्म का लिमिटेड कम्पनी में बदलना।
- 5 सिंगल इण्ड्री सहित ग्रपूर्ण रिकार्डी के एकाउन्टस तैयार करना
 - उसीद तथा भुगतान एकाउन्टस एवं इनकम व व्यय एकाउन्टस,
 - ७ रसीद तथा व्यय के एकाउण्टस सहित सम्बद्ध व्ययसाय के लिए एकाउन्टस ।
 - 8 कन्साइनमेंट तथा ज्वाइन्ट वेंचर एकाउण्टस । डिपार्ट-मेंट एकाउण्टस तथा आंच एकाउण्टम (विदेशी झांचों महित) रायल्टी, हायर परचेज तथा इन्स्टालमेट सेल ट्रांजेक्शन, इन्वेस्टमेंट एकाउण्टस पैकेज तथा इम्पटीज, गुड्म श्रान सेल या फयूटर्न, वायेज एकाउन्टस, कांट्रेक्ट एकाउण्टस।
 - 9 ग्रस्पतालों, शिक्षा संस्थान्नों, होस्टेल तथा फामर्स के एकाउण्टस
- 10 लास ब्राफ स्टाक तथा लास ब्राफ प्रोफ्टिस के दावे के लिए इन्क्योरेंस का कम्प्यूटेंशन ।

प्रश्न पत्न 2 एकाउटिंग एंड एलीमेट्स ग्राफ इनकम टैक्स लॉ सेक्णन ए—कम्पनी एकाउण्टस (50 ग्रंक)

ज्ञान का स्तरः सामान्य ज्ञान

उद्देश्य वर्तमान वैधानिक ग्रपेक्षात्रों तथा व्यावसायिक स्तरीं

के सम्बन्ध में बाडीज कार्पोरेट के ट्रांजेक्शन तथा विसीय मामलों के प्रकाश में एकाउन्ट्रस रिपोर्ट तथा वित्तीय एकाउण्ट्रस नैयार करने में विद्यार्थियों के ज्ञान की परीक्षा लेना।

विस्तृत विवरण (विस्तृत विवरण)

- 1 शेयरों तथा डिबेन्चर्स को जारी करना, प्रीफरेंस शेयर्स तथा डिबेंचर्स का रिडम्पणन उन्कापोरेशन से पूर्व लाभ-हानि
- 2 कम्पनी एक्ट 1956 की ब्यवस्थाश्रों में कम्पनी के श्रन्तिम एकाउण्टस की तैयारी करना सामान्य में तथा विशेष में कम्पनी एक्ट की शेडयुल 6 की
- 3 बैंकिंग, इन्क्योरेंस स्त्रीर बिजली कम्पनियों के फाइनल एकाउन्टस तैयार करना।
- 4 सिम्पल रेशो एनालिसिस ।
- 5 एमलगाभेशन, एब्जापशन तथा रीकन्स्ट्रवणन की साधारण समस्यायें
- 6 गतिविधियों कीं स्टेट में (साथ में डिफिसिपीसी/सर्पलस एकाउण्टस) भ्रौर लिक्बिडेटर्स स्टेटमेट भ्राफ एकाउण्टस भान दि बार्डांडग भ्रप।

सेनशन बी इलेमेंट श्राफ इनकम टैन्स (50 श्रंक)

ज्ञान का स्तर : सामान्य ज्ञान

उद्देश्यः उस स्तर तक कर निर्धारण करना जिसे प्रत्याशी हासिल करता है। इनकम टैंक्स के सिद्धातों का सामान्य कार्यज्ञानः।

विस्तृत विवरण

- परिभाषा : एग्रीकल्चरल इनकम, एसेकी, एसेसमेंट, वर्ष, इनकम, कुल ग्राय, इंडियन कम्पनी, व्यक्ति, कम्पनी कैपिटल एसेडस, खेरिटेबल परपत्त, डिवीडेंड, शार्ट टर्म कैपिटल एसेड्स।
- 2. पिछला साल
- 3. निवास स्तर
- 4. कुल श्रायं का स्कोप
- 5. चार्ज श्राफ इनकम टैक्स
- 6. इनकम टैक्स के चार्ज से छूट
- 7. सिम्पल प्रोबलम कवरिंग दि फारगोइंग भ्रान कम्प्यू-टेशन ग्राफ इनकम श्रण्डर वेरियस हेडस एंड डिटरिंग-नेशन भ्राफ एसेसेबल इनकम ।

पेपर 3 कास्ट एकाउटिंग (एक प्रकन पत्त--3 घंटे---100 श्रक)

ज्ञान का स्तर: सामान्य ज्ञान

उद्देश्य : कास्टिंग कासैट, मैथडस, एड सिस्टमस के बारे में विद्यार्थी की सामान्य बुद्धि की परीक्षा लेना।

विस्तत विवरण

- 1. कास्ट एकाउटिंग की मूल ध्रवधारण, एलीमेंट श्राफ कास्ट, कलिमिफेकेणन श्राफ कास्ट, रिकोर्डम तथा एवाउटिंग निम्नलिखित की :—
- (i) मैंटीरियल (ii) लेबर तथा (iii) भ्रोबरहेड एंड एसटेनमेंट एंड कन्ट्रोल भ्राफ दि रिलेबेंट कास्ट्रम ।
- 2. एलोकेणन म्राफ म्रोबरहेड्स : क्लामिफिकेणेस म्राफ म्रोबरहेड्स फ्रैक्टरी, एडिमिनिस्ट्रेणन, सेलिंग एंड डिस्ट्रीस्यूणन, म्रोबरहेड्स, वेरियबल, सेमीबरियबल, तथा फिक्स्ड म्रोबरहेड्स । डिफरेंट बेसस म्राफ चार्जिंग म्रोबरटेड्स साथ में मणीन घन्टा दर तथा श्रम घंटा दर ट्रीटमेट म्राफ फाइनेणियल एक्सपोसेज विशेषकर इन्टरेस्ट चार्जिंज, बास्तिविक तथा नेशनल दोनों ही ।
 - 3. कास्टिंग के विभिन्न तरीके यथा :---

जाब कास्टिग प्रोसेस कास्टिंग कान्ट्रेक्ट कास्टिंग ज्वाइंट कास्टिंग बाइ-प्रोडक्ट कास्ट्स

- रीकान्सिलेशन श्राफ फाइनेशियल एंड कास्ट रिकार्डस, इन्टेग्नेटेड सिस्टम श्राफ कास्ट एंड फाइनेशियल एकाउण्टस
- 5. कान्सेप्ट भ्राफ डायरेक्ट कास्टिंग इलमेंटरी प्रिसिपल भ्राफ मार्जिनल कास्टिंग एंड स्टैण्डर्ड कास्टिंग ।
- 6. कास्ट डैटा तथा सूचनाएं तैयार करना व प्रस्तुत करना विशेषकर कास्टडैटा का टेबुलेशन, कास्टशीटस तथा कास्ट स्टेट-मेंट तैयार करना ।

प्रश्न पत्न 4 भाडिटिंग (एक प्रश्न पत्न—तीन घंटे—100 भ्रंक)

ग्रान का स्तर सामान्य ग्रान

उद्देश्य:—श्राडिटिंग के तकनीकी तथा तरीकों के संबंध में विद्यार्थी की समझ की परीक्षा तथा उसको नार्म न प्रैक्टिकल स्थितियों में लागू करना ।

विस्तृत विवरण :

- प्रांडिट के मूल मिद्धान्त-श्रांडिट का उद्देण्य, एक्सप्रेसिंग एक भ्रापीनियन भ्रान स्टेटमेट श्राफ एकाउंटेटस, इम्पलीकेशन एंड रिगार्ड डिटेक्टेणन श्राफ एरर्स एंड फाल्टस।
- 2. आडिट के विभिन्न तरीके-स्टेटस के श्रंबर आडिट, फर्में तथा निजी व्यवसायों के एकाउंटम का आडिट, ट्रस्ट एकाउन्टस का आडिट, सहकारी समितियों का श्राडिट।
 - 3. स्वतंत्र प्राडिट के लाभ
- 4 कन्डक्ट स्नाफ श्राडिट-श्राडिट श्राग्राम-श्राडिट नोट बुक, श्राडिट फाइलें, स्थायी श्राडिट फाइलें, वर्किंग पेपर ।
- इन्टरनल कन्ट्रोल-इन्टरनल ब्रांडिट स्टेंचुक्ररी ब्रांडिट के संदर्भ में इम्पलीकेशन्स

- 6. बैचिंग पेमेंट जनरल कांस्टिडेरेशन-बेजेज,-कैंपिटल, एक्स-पेंडिचर प्रत्य भगतान तथा खर्चे।
- बौचिंग रिसीट्स-जनरल कान्सेडिरेशन-कैशसेल्स रिसीद फार्म केडिट कस्टमर्स श्रन्य रसीदें।
- बैंक में तथा उसके बाहर बौचिंग पेमेंट-केण बुकों से बैंक के स्टेटमेंट का रिकसिलेशन।
 - 9. कैश इन हैण्ड तथा पुस्तकों में कैश का देखना।
- 19. द्रेडिंग ट्राजेंक्शनों का म्नाडिट वौचिंग कैंश तथा केंडिट परचेजेज-फारवर्ड परचेजेज परचेज रिटर्नस दि सप्लायर्स लेजर ।
- 11. वौषिग कैंश तथा केंडिट सेल्स गुड्स श्राम कन्सांइ-नमेंट सेल श्राम एप्रूवल वेसिस-हायर परचेज एग्रीमेंट के श्रंतर्गत बिक्री-रिर्टनेविल कन्टर्स-प्राहक को देय विभिन्न किस्म के (श्रलाउन्स-सेल रिटर्न्स -सेल्स लेजर)
- 12. सप्लायर्स के लेजरों तथा ऋणों के लेजरों का श्राडिट सेल्फ बैलेसिंग तथा सलेक्शन बैलेसिंग सिस्टम कुल कण्ट्रोज एकाउण्टस लास लीफ तथा कार्ड लेजरर्स-कन्फमेटिरी स्टेटमेंटस कडिट कस्टमर्स श्रीर सप्लायर्स से बुरे तथा संदिग्ध ऋण की व्य-यस्था।
- 13. इम्पर्सनल लेजर का आडिट-कैपिटल एक्सडीपैंषर डिफर्ड रेवेन्यू एक्सपेन्डीचर तथा रेवेन्यू एक्सपेन्डीचर स्टेडिंग एक्सपेंसेज तथा इनकम रिपेयर्स तथा रिन्यूबल्स रिजर्ब तथा प्रोधीजन के मध्य अंतर-एकाडिंग के अधार पर इम्पलीकेशन आफ चेंज।
- 14. डिप्रीसियेशन-जनरल कांसिडरेशन विभिन्न एसेटस के लिए तथा उनकी योग्यताश्रों पर डिप्रिसियेट की व्यवस्था के लिए मुख्य तरीके-कम्पनी एक्ट के श्रंतर्गत वैद्यानिक श्रपेक्षाएं।
- 15. दि वैत्यूयेशन एंड वैरिफिनेशन आफ श्रसेटस-जनरल प्रिंसिपलस फिक्सड एसेट्रेस वेस्टिंग एसेटस करेन्ट-सेटस इनवेस्ट-मेंटस इनवेन्टरीज प्री होल्ड तथा लीज होल्ड प्रापर्टी लोन, बिल्स रिसीवेबल, सण्डरी डेंटर, प्लांट श्रीर मशीनरी, पेटेन्टर्स
 - 16. वेरिफिकेशन श्राफ सायेबिलिटीज
 - 17. ध्रपूर्ण रिकार्ड-ग्राडिट तथा कम्पलिकेशन
- 18. विभिन्न किस्मों के अण्डरटटेर्निकम्स में आडिट में विशेष प्वाइंट अर्थात शिक्षा संस्थानों, हीटलों, क्लबों, अस्पतालों आदि में (बैंक तथा इन्स्योरेंस कम्पनी को छोड़)
- 19. लिमिटेड कम्पिनियों का आडिट-विभिन्न दशाओं में आडिटरों की नियुक्ति आडीटर का स्तर-श्रडीटर के श्रधिकार व कर्त्तव्य आडीटर की रिपोर्ट ।
 - 20. शेयर कैपीटल का धाडिट तथा ट्रांसफर धाफ शेयर्स ।

ग्रुप 2

प्रश्न पत्न 5 मर्केन्टाइल लॉ, कम्पनीलॉ तथा इण्डस्ट्रियल लॉ (एक प्रश्न पत्न-तीन घंटे—100 श्रंक)

ज्ञान का स्तर: सामान्य ज्ञान

उद्देश्य — कानून की उन शाखाओं में प्रत्याशी का निर्धारण करना जिसे प्रत्याशी को समझाया गया है तथा जिनमें उसे धपने ब्यायसायिक कार्य करना है।

विस्तृत विवरण :

- 1. इंडियन कान्द्रेक्ट एक्ट--पूरा
- 2. नेगोशियेवल इन्स्ट्रूमेंटस एक्ट पूरा
- इंडियन पार्टनरिशप एक्ट पूरा
- 4. सेल आफ गुड्स एक्ट पूरा
- 5. पेमेंट आफ बोनस एक्ट पूरा
- 6. कम्पनीज एक्ट सेक्शन 1 से 145 तक

निम्नलिखित के मूल सिद्धांत

- 7. धारबिद्रेशन एक्ट
- 8. इंडियन ट्रस्ट एक्ट
- 9. प्रोवीडेंट फंड
- 10. ग्रेच्युटी भुगतान एक्ट
- 7, 8, 9 तथा 10 में विखाये गये एक्टों में विद्यार्थी को बोर्ड ग्राफ स्टडीज द्वारा जारी की गई सामग्री से पृथक जाने की ग्राव-श्यकता नहीं है।

प्रधन पत्र 6 विजित्तिस मैनेजमेंट एंड स्टेस्टिक्स (एक प्रधन पत्र तीन घंटे—100 श्रंक)

शान का स्तर: सामान्य ज्ञान

उद्देश्य : क्वेन्टेटिव टर्मस में बिजनिस समस्या के संश्लेषण में विद्यार्थी की योग्यता को देखना।

ए---बिजनिस मैथेमेटिक्स (50 श्रंक)

विस्तृत विवरण

1. (ए) सीक्वेंस तथा सिरीज

सिक्वेंस तथा सीरीण का भ्रर्थः फिनिट तथा ईफिनिट सिरीज, भ्रथमेटिक एंड ज्यामेट्रिक प्रोग्नेशन, समेशन श्राफ लिमिट कन्वर्शन के लिए भ्रर्थ तथा प्रयोग भीर डायवर्णेंस सिरीज।

- 2. फन्क्शन्स तथा उनका एप्लीकेशन्स परिभाषा : टाइप, कन्द्रक्शन क्रेक इवेन एनालिसिस का एप्लीकेशन, लिनर, क्वेड्रेटिक एंड हायर डिग्री पालीना-मियल प्रवशन्स, एक्सपेंडिचर एंड लोगरिथिमिक फंक्शन
- 3. सर्कुलर फंक्शन तथा द्रिगनोमेटरी इलीमेंटस आफ द्रिगनोमेटरी एंड सर्कुलर फंक्शन्स, एली-मेंट आफ द्रिग्नोमेटरी एंड सर्कुलर फक्शन्स, द्रिग्नोमेटरी फंक्शन्स आफ स्टेण्डर्ड एंगल्स।
- 4. कोग्राडिनेशन ज्यामेट्री।

इन्ट्रोडक्शन टू कार्टिसन ज्योमेट्री, दो प्वाइन्टों के अन्तर, को आर्डिनेटस ग्राफ मिड प्वाइन्टस, दि स्टेट लाइन, स्लाप ग्राफ ए स्टेटलाइन।

5. कैलकुलेस

परिभाषा : भ्रथं, विभिन्न भार्डर डेटिवेरिक्स के नियम तथा इन्टरप्रीटेशन, मक्सिमम एंड मीनियम ग्राफ यूनी- थेरियेट 'फंक्शन, एप्लीकेशन झाफ भौक्समा, 'मिनिमा एंड प्याइंट श्राफ इनफ्लेशन ।

- (क्षी) एक रुपता: एकता का अर्थ तथा नियम: अपूर्ण एवं पूर्ण एकता: साधारण प्रार्थना पत्र
- 6. बेक्टर्स तथा मेट्रिक्स
- (ए) बेक्टर्स : बेक्टर्स का श्रर्थ तथा किस्में : वेक्टर्स पर साधारण संचालन जिसकी ग्रमुरूपता मेट्रिक्स भ्रापरे-शंस से हैं।
- (बी) मेट्रिक्स : अर्थ तथा संचालन : मैट्रिक वर्शन, लाइनेयर इन्डेपेंडेस : लिनर इक्वेगस का हल।
- 7. लाइनर प्रोग्रामिंग :
 लाइनर प्रोग्रामिंग समस्याम्रों का व्यवस्थापन

नी स्टेटिस्टिक्स (50 ग्रंक)

- 1. कारेलेशन तथा रिग्रेशन (लाइनर तथा बाइवेरियेट केवल)
- 2ं एसोसिएशन का टैस्ट 2 imes 2 टेबल के लिए केवल
- 3. प्रोबेबिलिटी तथा एक्सपैक्टेड बैल्यू
- थोरीटिकल डिस्ट्रिब्यूशन--बाईनामियल पोइसन तथा नार्मल के मूल तत्व
- 5. सैम्पलिंग तथा इसके प्रयोग: सैम्पलिंग के सरीके, स्टैटिस्टिक्स तथा पैरामियर्ल, सैम्पलिंग छिट्टिब्यूशन तथा स्टैण्डर्ड ईरोर्स कान्सेप्ट एकाउटिंग रिकार्ड भीर फिजिकल प्रोपर्टी का सैम्पलिंग
- 6. सिगनिफिकेंस जैड, टी० एक्स 2 का टैस्ट
- 7. बेरिपेंस का संश्लेषण तथा एफ टैस्ट
- टाइम सीरीज का संक्ष्लेषण
 - (ए) डीकम्पोजिशन के तरीके : इस्टीमेट की गलतियां
 - (बी) ट्रेन्ड का हिसाब किताब करना : एस्टामेंट की गलती, सीजनल साइवलीकल तथा इसेगुलर बेरि-येशन के लिए इण्डिक्स की कैलकुलेशन
- 9. फोरकास्टिंग एण्ड बिजनिस बैरोमीटर्स-विभिन्न तरीके
- 10. इन्डेक्स नम्बर-----प्रर्थ, सावधानियां, उपयोग मूल गणना तथा प्रमाला इन्डेक्स, इस्पिसिंग, चेन बेस तारीका तथा कान्सिसटेंसी के परीक्षण ।
- 11. इलीमेंटस भ्राफ स्टेटिस्टिकल क्वालिटी कन्द्रोल **वार्ट**स का प्रयोग ।
- 12. एलीमेंटस श्राफ स्टेटिस्टिकल डिसीजन थ्योरी जिसमें बेसियन डिसीजन रूल्स भी गामिल है।

परीक्षा पत्न 7 भार्गेनाइजेशन एवं मैनेजमेंट तथा इकनामिक्स

एक परीक्षा पत्र तीन घंटे--- 100 धंक

ज्ञान का स्तर सामान्य ज्ञान उद्देश्य श्रागेंसाइजेशन सथा मैनेजमेंट

> (i) विद्यार्थियों का मैनेजमेंट के मूल तरीकों तथा आर्गे-नाईजेशन प्रैक्टिसिंग की जानकारी,कराना।

- (ii) अप्रक प्राधुमिक प्रणासियों का वर्णन सथा
- (iii) विद्यार्थियों को कुल मैनेजमेंट प्रक्रिया के विचारों से इसके मल्टी डिसिप्लेनरी परसेंप्टिय की जानकारी करवाना ।
- (बी) इकनामिस्ट : विद्यार्थियों को देश की धार्थिक प्रगति के बारे में जानकारी देना विशेषकर उस राज्य की जिसमें ध्रर्थव्यवस्था रखी गई है साकि वे ध्रपने चारों ध्रीर की ध्रार्थिक दशाध्रों से ध्रच्छी तरह जानकारी हासिल कर सकें।

(ए) भागेंनाइजेशन एंड मैंनेजमेंट (50 श्रंक)

विस्तृत विवरण

- 1. वि मैनेजमेंट प्रोसेस,
 - मैनेजमेंट का धर्ष, प्लानिंग, स्रागेनाइजेशन, स्टाफिंग डायरेक्शन व कन्द्रोल, यूनिफिकेशन तथा कोश्राडिनेशन श्राफ मैनेजमेंट एक्टिविटीज
- व्लॉनिंग नीति निर्धारण, स्ट्रेटेजी फार्मुलेशन एंड ध्रापरेशन प्ला-निंग. नीति निर्धारण करने की प्रक्रिया
- अगर्गेनाइजेशन फंक्शनल क्लासिफिकेशन, एक्टिविटी ग्रुपिंग टास्क एलो-केशम, स्पान भाफ सुपरिविजन एवं भागेंनाइजेशन स्ट्र-क्चर लाइन व स्टाफ काम्सेप्ट भ्रथिटी तथा उत्तर-दाियत्व देलीगेशन, सेन्टलाइजेशन बनाम डी-सेन्ट्रला-इजेशन।
- विवरण मैनेजमेंट की किस्म लीडरशिप कम्युनिकेशन उद्देश्य
- कन्द्रोल उद्देश्य कन्द्रोल के सिद्धान्त व प्रक्रियाएं
- 6. मैंनेज्मेंट के मानवीय पहलू मानवीय श्रावश्कतायें, ग्रुप डाइनैमिक्स, मैंनेजमेंट श्राफ चेंज

बी इकनाभिक्स

(50 अंक)

- 1. भारत में प्राधिक विकास-इसका भविष्य तथा रुकावट
- 2. जनसंख्या
- कृषि—इसका विकास, इसकी समस्यात्रों तथा सम्भावित माप जो भाषिक विकास के लिए श्रावण्यक हैं।
- 4. भारतीय उद्योग-इसका चित्र, भारतीय उद्योगों का स्वतंत्रता के बाद विकास, उसकी समस्यायें तथा संभाव-नायें तथा श्रीद्योगिक विकास के लिए श्रावण्यक कदम

- 5. भारत में धन तथा बैंकिंग : भारत की फिस्कल नीति स्वसंवता के उपरान्त
- 6. भारत को भ्रन्तर्राष्ट्रीय व्यापार : निर्धेशन तथा कम्पो-जिशन, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद विकास, इसकी सम-स्याये तथा संभावनायें, विकास के लिए प्रावश्यक कदम, व्यापार सन्तुलन तथा भुगतान की विधि भ्रौर एनसचेंज प्रणाली।

उपरोक्त विवरण उन प्रश्नों के सामान्य पथप्रदर्शन के रूप में है जिन्हें प्रत्येक परीक्षा पत्र में पूछा जा सकता है।

इन्टरमीडियेट परीक्षा पास करने के लिए अपेक्षाऐं

- (1) इन्टरमीडिएट परीक्षा में सामन्यतया वह विद्यार्थी उत्तीर्ण घोषित समझा जाएगा जबकि वह :—
 - (ए) वह दोनों ही ग्रुपो में साथ-साथ एक ही सिटिंग में कम से कम 40 प्रतिशत श्रंक प्रत्येक प्रश्न पत्न में प्रत्येक ग्रुप में तथा प्रत्येक ग्रुप में समस्त प्रश्न पत्नों में कुल श्रंकों का 50 प्रतिशत प्राप्त कर लेता है।
 - (बी) वह एक परीक्षा में एक ग्रुप में पास घोषित किया जाता है तथा शेष ग्रुप में किसी भी बाद की परीक्षा में, एक सिटिंग में कम से कम 40 प्रतिशत श्रंक प्रत्येक प्रश्न पत्न में प्रत्येक ग्रुप में तथा कुल श्रंकों का कम से कम 50 प्रतिशत जो उस ग्रुप के सभी प्रश्नपत्नों के कुल योग का हो को प्राप्त करता है।
 - (सी) वह दोनों ही ग्रुपों में साथ साथ ली गई परी-क्षाग्रों में कम से कम 40% ग्रंक दोनों ग्रुपों के प्रत्येक परीक्षा पत्न में साथ-साथ उसी परीक्षा में तथा साथ-साथ लिये गये दोनों ग्रुपों के कुल श्रंकों का कम से कम 50% प्राप्त कर पास घोषित किया जाता है।
- (2) ऐसा होते हुए भी उपरोक्त उप-पैराग्राफ (1) में विणित कोई भी जिसे किसी प्रत्याशी ने इन्टरिम- डियेट परीक्षा की ग्रुप 1 तथा ग्रुप 2 परीक्षा का सब पैराग्राफ (1) पैराग्राफ (6) जो इस अनुसूची के है तथा जो 1 ग्रुपैल, 1983 के पूर्व ली गई थी, में कमशः ग्रुप 1 या ग्रुप 2 में बैठने से 1 ग्रुपैल, 1983 के बाद ली गई इस अनुसूची के पैराग्राफ 6 के सब-पैराग्राफ (2) के ग्रुप्रीन इन्टरमीडियेट परीक्षा में प्रविष्ट होने पर छूट प्राप्त होगी तथा वह इन्टरमीडिएट परीक्षा में उत्तीर्ण घोषित किया जायेगा यदि शेष ग्रुप की प्रत्येक परीक्षा में कम से कम 40 प्रतिशत श्रंक ग्रीर उस ग्रुप के समस्त परीक्षा पक्षों में न्यूनक्षम 50 प्रतिशत ग्रंक प्राप्त कर ले।
- (3) ऐसा होते हुए भी उपरोक्त सब-पैराग्राफ के क्लाज (ए) तथा (बी) में विणित कुछ भी कोई प्रत्यासी किसी ग्रुप वाले एक प्रश्न पत्न मे फेल हो जाता है किन्तु ग्रुप के शेष प्रश्न पत्नों में कुल श्रंकों का 60

- प्रतिशत न्यूनतम प्राप्त कर लेता है तो वह उस ग्रुप में पास समझा जायेगा यदि वह शीघ्र की श्रागामी तीन परीक्षाभो में उन प्रश्न पत्नों में जिसमें वह फेल हुआ है उस प्रश्न पत्न में कम से कम 40 प्रतिशत श्रंक प्राप्त कर लेता है।
- (4) ऐसा होते हुए भी सब-पैराग्राफ के क्लाज (ए) व (बी) में उल्लिखित कोई भी चीज कोई प्रत्याशी जो सब-पैराग्राफ (3) द्वारा नहीं लिया जाता एक ग्रुप में एक या अधिक परीक्षाओं में फेल हो जाता है किन्तु उस ग्रुप के किसी भी प्रश्न पन्न में या प्रश्नपत्नों में न्यूनतम 60 प्रतिशत ग्रंक प्राप्त कर लेता है तथा उस ग्रुप के शोष प्रश्न पत्नों में प्रत्येक में कम से कम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है तो वह उस प्रश्नपत्न या प्रश्नपत्नों में जिसमें उसने 60 प्रतिशत से कम श्रंक प्राप्त किए हैं, श्रागामी तीन शीघ्न होने वाली परीक्षाम्रों के किसी भी एक या म्रधिक में प्रवेश के लिए प्राह्य होगा तथा वह उस ग्रुप मेंपास घोषित समझा जायेगा यदि वह एक ही प्रवसर में ऐसे प्रक्रन पत्नों में न्यूनसम 40 प्रक्रिशत ग्रंक प्राप्त कर लेता है भ्रौर उस ग्रुप के समस्त प्रश्न पत्नों में न्यूनत्म् 60 प्रतिशत श्रंक प्राप्त कर लेता है, जिसमें उपरोक्त से सम्बन्धित पहले दी गई परीक्षा में वे प्रश्न पत्र भी सम्मिलित है जिसमें उसने कम से कम 60 प्रतिशत संक प्राप्त किए हैं ?
- (5) किसी प्रत्याशी द्वारा 1 मप्रैल 1983 के पूर्व इस मनुसूची के पैराग्राफ 6 के सब पैराग्राफ (1) के अन्तर्गत ली गई इन्टरमीडिएट परीक्षा मे सब-पैराग्राफ (3) या सब पैराग्राफ (4) के अधीन एक या अधिक प्रश्न पत्नों में ली गई छूट, 1 अप्रैल, 1983 के उपरांत इस अनुसूची के पैराग्राफ 6 के सब-पैराग्राफ (2) के अन्तर्गत ली गई इन्टरमीडिएट परीक्षा में सही समझी जायेगी यवि प्रत्याशी ने इस छूट का लाभ 1 अप्रैल 1983 से पूर्व प्राप्त न किया हो।

XV. श्रनुसूची "बी बी" के वर्तमान पैराग्राफ 7 के लिए निम्नलिखित प्रयुक्त है : कोई भी. प्रत्याशी श्रंतिम परीक्षा में नहीं बैठने दिया जायेगा जब तक कि

- (1) उसने इन्टरमीडियेट की इन व्यवस्थाओं के श्रधीम या तो इन्टरमीडियेट परीक्षा पास न की हो, चार्ट एका-उन्टेन्टस रेगुलेशन 1948 के श्रधीन प्रथम परीक्षा पास न की हो या चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस रेगुलेशन 1949 के श्रन्तर्गत प्रथम परीक्षा पास करने से छूट न मिल गई हो तथा
- (2) उसने मुई या नवम्बर में ली गई परीक्षा की ग्राह्मता के लिए प्रत्येक वर्ष की फरवरी की पहली तिथि या ग्रास्त की पहली तिथि को या तो ग्राटिकल क्लर्क की सेवा पूर्ण कर ली हो तथा कुछ भाग ग्राडिट क्लर्क का या ग्रंगत: ग्राटिकल क्लर्क श्रीर ग्रंगत: श्राडिट

क्लर्फ की सेवायें पूर्ण कर ली हो जिसके लिए सदस्य के रूप में प्रवेश के लिए उसे सेवा करने को कहा गया है या उसने अभी ऐसी सेवा के नौ महीने की और सेवा करनी है।

छूट

- उपरोक्त नौ महीने की श्रवधि को गिनने पर श्राटिक्ल क्लर्क के मामले में 138 दिनों से श्रधिक तथा श्राडिट क्लर्क के मामले में 184 दिनों से श्रधिक की ली गई छुट्टियां ग्राटिकल या श्राडिट सेवाशों के श्रन्सर्गस श्रभी श्रीर समय समझा जायेगा जैसा भी मामला हो
- (3) वह कोचिंग संस्थान के प्रमुख से किसी नाम पद द्वारा जो कौंसिल की एजेंसी के अन्तर्गत विया गया प्रमाण पस्न इस आशय का प्रस्तुत करता है कि पोस्टल दूमशन स्कीम की ओर से उसने अपेक्षाओं को पूरा कर लिया है तथा
- (4) इण्टरमीक्रिएट परीक्षा तथा मंतिम परीक्षा के प्रथम प्रवेश के उत्तीर्ण करने के बीच मंतिम दो परीक्षामों के बीच का समय रहा है।

बगर्ते कि प्रत्याशी के मामले में जिसने इण्टर-मीडिएट परीक्षा उसकी प्रैक्टिकल ट्रेनिंग की ग्रविध के श्रंतिम 6 माह के भीतर या उसकी प्रैक्टि-कल ट्रेनिंग की ग्रविध की पूर्णता के बाद चाहिए, इण्टरमीडिएट परीक्षा तथा फाइनल परीक्षा में प्रथम प्रवेग को पास करने के मध्य केवल एक श्रंतिम परीक्षा का ग्रवकाश रहा हो

XVI. अनुसूची ''बी बी'' के वर्तमान पैराग्राफ 9 के लिए निम्नलिखित पैराग्राफ 9 तथा 9 ए

- 9. फाइनल परीक्षा के लिए प्रश्न पत्न तथा सिलेबस
- (1) 1 प्रप्रैल 1984 के पूर्व ली गई ग्रंतिम परीक्षा के लिए कोई भी प्रत्यांशी निम्नलिखित तीन ग्रुपों में ग्राने वाले विषयों में परीक्षा देगा (ग्रनुसूची "बीबी" पैराग्राफ 9 के ग्रंतर्गत वर्तमान सिलेबस ग्रंपरिवर्तित रहेगा तथा वह यहां उल्लेखित नहीं है)।
- (2) 1 म्प्रील 1984 के बाद ली गई परीक्षा में प्रत्याणी निम्नलिखित दो गुपों वाले विषयों में परीक्षा देगा

प्रप 1

प्रश्न पत्न 1 एडवांस्ड एकाउन्टिंग (एक प्रश्न पत्न तीन घंटे 100 श्रंक)

ज्ञान का स्तर : अच्छा ज्ञान

उद्देश्य एकाउन्टिंग के सिद्धांतों तथा प्रक्रियाद्यों से संबं-भित्र विद्यार्थियों की बुद्धि का परीक्षण तथा साथ ही विभिन्न प्रैक्टिकल स्थितियों पर उसकी लगाने की योग्यता बिस्तृत विवरण

1. कम्पनी एकाउंटस की एडवांसड समस्यायें

- स्पेशल प्रोबलम्स श्राफ एमलगामेशन, एवसार्पशन एंड रिकान्स्ट्रकशन (स्कीम तथा रिपोर्ट की तैयारी को छोड़ कर । होल्डिंग एंड सबसिडरी कम्पनी, एंड कंसोलिडेटिंड एकाउन्टिंग।
- 3. बैसिक पोस्टुलेटस भ्राफ एकाउन्टिंग थ्यौरी एंड जनरल एक्सेप्टेंड एकाउन्टिंग प्रिंसिपलस एंड प्रेक्टिसिंग जिसे इंस्टी-ट्यूट भ्राफ चार्टर्ड एकाउन्टैन्टस भ्राफ इंडिया बारा मान्यता प्राप्त है ।
- 4. प्रीपरेशन भ्राफ फाइनेनशियल स्टेंटमेंटस फार प्रास्पेक्टस
- डिजायन श्राफ एकाउंटस एंड प्रीपरेशन श्राफ फाइनेशियल डेटा
- 6 लिमिटेशनस आफ फाइनेशियल स्टेटमेंटस इण्टरमीटेशन एंड एनालिसिस आफ फाइनेशियल स्टेटमेंटस साथ में इण्टरनेशनल तथा एनालिसिस फाइनेशियल डेटा रेशो एनालिसिस रिलेशनिशप आफ डिफरेंट आइटम्स की एकाउटिंग रेशो द्वारा नापना दो विभिन्न रेशो की काउन्टर चेक लिमिटेशन्स आफ रेशो
- स्टेटमेट आफ सोर्सेज तथा एप्लीकेशन आफ फण्ड्स कम्पैरे-टिव स्टेटमेट एनालिसिस इन्टरफार्म कम्पीरिजनस

प्रश्न पन्न 2 मैनेजमेंट एकाउटिंग (एक प्रश्न पन्न तीन घंटे 100 श्रंक)

ज्ञान का स्तर: अच्छा कार्य ज्ञान

उद्देश्य उस विस्तार तक कर निर्धारण करना जिसके लिए विद्यार्थी प्रयोग करने के योग्य है तथा किसी श्रागंनाइजेशन के फाइनेनशियल मैनेजमेंट के तरीकों एवं टैक्नीक की व्याख्या करना विस्तृत विवरण:

 फाइनेनशियल मैनेजमेट के उद्देश्य तथा तरीके मैनेजमेंट के सम्पूर्ण क्षेत्र में फाइनेनाशियल मैनेजमेंट का स्थान

फाइनेनाशियल मैनेजमेंट तथा मैनेजमेंट के प्रन्य क्षेत्रों जैसे प्रोडक्शन, प्रोक्योरमेंट, मार्केटिंग व परसोनल मे सम्बन्ध

मैनेजमेंट के वित्तीय कार्यकलाप का भ्रागेनाइजेशन चार्ट एकाउंद्विंग तथा फाइनेंस फंक्शन्स का केन्द्रीयकरण तथा विकेन्द्रीकरण

 श्रत्पकालीन तथा बृहद्कालीन वित्तीय कैपिटल बर्जाटंग तथा लांग टर्म श्रीर शार्ट टर्म फाइनेंस कास्ट श्राफ कैपिटल के स्रोत

कैपिटल इशु पर नियंत्रण साथ में बर्जाटग, बोनस शेयर्स प्रीपरेशन ग्राफ बजटेड कैशफलों स्टेटमेंटस एंड इबैल्युशन

 मैनेजमेंट भ्राफ वर्किंग कैपिटल कन्द्रोल भ्राफ इन्वेन्टरीज रिसीवेषल एंड क्रेडिट पालिसी कैंग बजट तैयार करना

- 4. कैपिटल बर्जाटिंग तथा टेक्नीक इवेलुएसन म्राफ केपिटल प्रोजेक्ट यथा पे बैंक पीरियड रेट म्राफ रिटर्न, डिस्का-उन्टेड कैंस पत्नों भ्राघि के लिए टेक्नीकल फार कन्ट्रोल भ्राफ कैपिटल बर्जाटिंग, ऋटिकल पे मैथड (सी० पी० एम०/पी० ई० ग्रार० टी०)
- 5. डिवीडेंड पालिसी
- 6 पालिसी तैयार करना साथ में डिप्रीसियेशन एकाउंटिंग फार रिप्लेसमेट कास्ट
- 7. फाइनेनशियल स्टेटमेंट एमालिसिसि तथा रिपोर्ट तैयार करना
- 8. मैनेजमेंट ग्राफ इन्वेस्टमेंट पोर्टफोलियो
- फाइनेनशियल मैनेजमेंट साथ बिजनिस एक्सपों सन का संदर्भ और कन्ट्रेक्शन
- 10. वित्तीय प्लानिंग के संबंध में टैक्स इम्पीकेशन तथा कैश फ्लो स्टेटमेंटस

प्रश्न पद्म 3 ग्राब्रिटिंग

(एक प्रक्त पन्न तीन घंटे 100 ग्रंक)

शान का स्तर: अच्छा शान

उद्देश्य यह देखना कि प्रत्याशी ने वर्तमान भाडिटिंग प्रैक्टिसेज ग्रौर प्रोसीजर्स के श्रच्छे ज्ञान को हासिल कर लिया है विस्तृत विवरण

1. श्रांडिट की प्लानिंग श्रीर शोशांभिंग

म्राडिट कार्य की प्लानिंग और प्रोग्नामिंग—कार्य की दशा तथा उसमें भाने वाले उत्तरदायित की डिकी के संवर्भ द्वारा भाडिटमें के कार्यालय में सहायदा के विभन्न स्तरों के मध्य कार्य विभाजन—सुपर विजय की समस्यायें तथा म्राडिट नोट्स तथा वर्क पेपर्स की सीनियर भ्रसिस्टेंटस और पार्टनर्स द्वारा मूल्यांकन करना —पार्टनर तथा प्रिसिपल की जिम्मेदारी तथा वह तरीका जिसमें ऐसी जिम्मेदारियां जो सौंपी जा सकती हैं— म्राडिट कार्य के फलों की प्लानिंग, उदाहरण के लिए इन्टेरिम ग्राडिट्स, कन्टीनुमस श्राडिट्स श्रावि द्वारा

- 2. इन्टरनल ग्राडिट के तरीकों भीर टेक्नीकल जो उस उद्देश्य के लिए किए गये हैं, की गणना तथा साथ में क्वेशनरीज ग्रत्रोच ग्रीर फ्लो चार्टस के माध्यम से भ्रत्रोच
- इन्टरनल ग्रौर एक्सट्रनल ग्राडिट में संबंध एक्स्ट्रनल ग्राडिट के लिए इन्टरनल ग्राडिट की स्वीकृति।
- 4. विस्तृत परिवीक्षण स्टेकुप्ररी भ्राडिट के द्वारा बोर्ड भ्राफ डायरेक्टर्स तथा मैनेजमेंट के भ्रामने सामने कम्पनी एक्ट के भ्रंतर्गत सदस्यों की रिफोर्टिंग का भ्रामार सर्टिफिकेट्स की स्वीकृति का महस्त रीप्रेजेंटेगन के पत्नों की पुष्टि मैनेजमेंट द्वारा भ्रावि
- इ. ग्राडिट के उद्देश्य के लिए ग्राडिट चैक के ग्रावेदन की तकनीक ग्रथित् स्टेटिस्टिकल सेम्पलिंग ली जाने वाली सावधानियां ग्राडिटरों का उत्तरदायित्व जब टेस्ट चैक्स के ग्राधार पर ग्राडिट किया जा रहा हो।

6. कम्पनी एक्ट के अन्तर्गत स्टेचुग्ररी मांग के संबंध में ग्राडिटरों का उत्तरदायित्व ग्रांचों के ग्राडिट के संदर्भ में स्टेंचुग्ररी ग्राडिटरों का उत्तरदायित्व—स्टेचुग्ररी ग्राडीटर तथा ग्रांच ग्राडीटर के मध्य संबंध

ज्याइंट ग्रांडिट तथा ज्याइंट ग्रांडीटर्स के उत्तरदायित्व: दू, एंड फेयर की धारणा तथा कंपनी के ग्रांडिट के संबंध में इस धारणा के फ्लो ग्रांडिट के ग्रांडिट के संबंध में इस धारणा के फ्लो ग्रांडिट पर उत्तरदायित्व कम्पनी एक्ट की व्यवस्थाओं मे जहां तक वे ग्रांडिटर तथा एकाउन्टेंट को प्रभावित करती हैं

मैनेजमेंठ से सूचनाएं श्रौर जवाब प्राप्त करने का महत्व, उनके ऊपर रखी गई डिग्री ग्राफ रिलायंस सामान्यरूप से स्वीकृत ग्राडिटिंग प्रैक्टिसेज की धारणा, जनरखी ग्रवस्पटेंड ग्राडिटिंग प्रैक्टिसिंज" के संदर्भ में ग्राडिट को पूरा करने का महत्व:

- डिकीडेन्टस तथा डिकीजिविलः प्रोफिट्स फाइनेनिशियल, लीमल और पालिसी कन्सिडरेशन
- 8. बैंकों तथा इन्स्योरेंश कम्पनियों के श्राष्टिट का विशेष महत्व
- 9. विशेष आहिट तरीके तथा बिटनेसेज फीजीकल वेरिफि-केशमः भाष इस्वेरटीज एंड अंदर एसेट्स प्राप्त योग्य तथा देमे योग्य एकाउन्ट्स के सीधा बितरण मादि
- 1'0. समस्त मूल पर एकाउन्टस की रिष्यू बैलेंसगीट आडिट प्रतिशत एकाउटिंग रेशों, स्रोत तथा फण्डस के श्रावेदन श्रादि के संदर्भ में।
- 11. माडिट रिपोर्ट में माडिट रिपोर्ट तथा योग्यताएं—— माडिट रिपोर्ट की ज़ाफिटग एकाउन्ट्स के अपर नोट—— नोट्स तथा क्वालिफिकेशंस के मध्य भेद ।
- 12. बैलेंश शीट डैंट के बाद होने वाली घटनाए।
- 13. शाडिटर्स के ग्रिधिकार कर्तव्य तथा देयताएं साथ में उनकी श्रांशिक देयता--- दशा तथा उसकी सीमा
- 14. प्रोफेशनल इथीक्स तथा कोड धाफ कण्डन्ट
- 15. स्पेशल पत्न के लिए सर्टिफिकेट जैसे बोनस एक्ट के श्रंतर्ग्रेत सर्टिफिकेट श्राफ बोनस कम्प्यूटेशन इम्पोर्ट/ एक्सपोर्ट कन्द्रोल श्रथारिटी के लिए श्रादि ।

सर्टिफिकेट तथा रिपोर्ट मे श्रंतर

सर्टिफिकेट की ड्राफिटग, मत ग्रादि साथ ही विशेष इनक्षारियाँ या जांच पड़ताल से संबंधित पत्नों की ड्राफिटग—एमल्गामेशन, रीकन्स्ट्रक्शन विजनिस के परचेज या सेल की योजना बनाना।

- 16. कम्पनीज एक्ट के अंतर्गत विशेष ग्राडिट तथा जांच पडतास
- 17. कास्ट ग्रांडिंड तथा टैक्स ग्रांडिट
- 18. धारा 619 के श्रंतर्गत कमट्रोलर एंड आडिटर जनरल के श्रनुदेशों सहित पब्लिक सेक्टर कम्पनियों के आडि-टरों में विशेष प्याइन्ट ।

- 19. कन्सेट ऑफ प्रोपर्टीज एंड एफिसियेसी ब्राडिट ।
- 20. प्रास्पेक्टस के लिए स्पेशल रिपोर्ट ।
- 21. नान-ग्राडिट क्लाइन्टस को विशेष सेवाये प्रदान करने में होने वाली समस्यायें---ली जाने वाली सावधानियां, क्लाइन्टम के म्टेचूरी श्राडिटर के माथ पत्न व्यवहार करने समय ग्रंपेक्षाएं।
- 22. एकाउन्टिंग एवं भ्राडिटिंग मामलों को देखने वाले इन्स्टीट्यट श्राफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स द्वारा जारी की गई स्टेटमेटम तथा इस्टीट्यूट द्वारा पुष्ट किये गये एकाउन्ट्स स्टेण्डर्ड ।
- 23. चेनाइज्ड तथां कम्प्यूटराइज्ड एकाउन्टस के आडिट तथा उनमें ग्राने वाली समस्यायें।

प्रश्न पत्न 4 काम्ट सिस्टम्स तथा कास्ट कन्ट्रोल (एक प्रश्न पत्न-तीन धन्टे-100 श्रंक)

श्रपेक्षित ज्ञान का स्तर: श्रच्छा कार्य ज्ञान

उद्देश्य:—यह देखना कि प्रत्याशी कास्ट एकाउन्टिंग तथा तकनीकी के तरीको और उसे चलाने के योग्य किस सीमा तक है।

विस्तृत विवरण

- कास्टिंग विभाग की श्रार्गनाइजेशन तथा इसका ग्रन्य विभागों से संबंध
- 2. कास्टिंग सिस्टम्स की उत्थापना तथा उसका मंग्रोधन फार्मस तथा रिकाडी की डिजायन—कस्पनी एक्ट के ग्रधीन श्रपेक्षित रखे जाने वाले रिकार्ड कास्ट रिकार्डम के श्रनुरक्षण के लिए मकेनिकल का प्रयोग।
- 3. बजट तथा बजटरी कन्ट्रोल, मास्टर बजट तैयार करने के लिए फंक्शनल बजट, कैपिटल एक्सपेंडिचर बजट, फिक्स्ड तथा फ्लेक्सीकल बजट, उत्तरक्षायित्व एकाउन्टिंग
- स्टेण्डर्ड कास्टिंग तथा वेस्पिंस एनालिसिस—-मैरीटियल लेबर तथा श्रोवरहेड्स बेरियेन्सेज की रिपोर्टिंग।
- 5. माजिनल कास्टिंग, ब्रेक-ईवन एनासिसिस, कास्ट वाल्यूम प्रोफिट एनालिसिस, ब्रेक-ईवेन चार्टस, किल्ट्रब्यूशन माजिंग तथा विभिन्न निर्णय लेखा जैसा मैंक या खरीव, निजी प्रयवा लीज, रिटर्न या रिप्लेस, रिपेयर या रिनोवेट, भ्रव या बाद में, चेंज बनाम स्टेटस क्यो, स्लोवर या फास्टर, सेल या स्क्रेप या रिटेन, एक्सपोर्ट बनाम लोकल सेल, बंद करना या लगातार विस्तार या कन्ट्रोल।
- 6. मैंनेजमेंट कन्ट्रोल तथा कास्ट इन्फार्मेशन सिस्टम पर-फार्मेटस रिपोर्टिंग मनेजमेंट के विभिन्न स्तरों पर
- 7 कास्ट कन्ट्रोल से कास्ट डिटर्किनेशन कास्ट रिडक्शन तथा कास्ट कन्ट्रोल और उसके लिए प्रयुक्त विभिन्न तकंनीक, बेस्टेज के ऊपर नियंत्रण, स्क्रेप, स्पाइलेस तथा डिफेक्टिबस, कास्ट रिडक्शन के विभिन्न तरीके जैसे वर्कस्टडी, समय और मोशन ड्यूटी, टाइमकास्ट संबंधों पर प्राधारित प्रध्ययन भावि कास्ट रिडक्शन प्रोग्राम

- में कर्मचारी का योगदान तथा इसनिमित बनाया गया विशेष कास्ट प्रोग्राम का महत्व।
- 8. मनेजमेट निर्णयों के लिए कास्ट स्टडीज, साथ में प्रोडक्ट तथा प्रोडक्शन डिसीजन, प्राइसिंग डिसीजन मार्केटिंग एड डिस्ट्रिब्यूशन निर्णय, प्रोडक्ट मिक्स से संबंधित निर्णय इन्वेन्टरी कन्ट्रोल, प्लान्ट लोकेशन, प्रोडक्ट डिवलपमेंट, कम्पीरिटिय प्राइसिंग, प्राइस डिके- शियल्स तथा डिस्काउन्टय ग्रीर प्राइसिंग/मार्केटिंग स्टेटेजीज।

ग्रुप-2

प्रकारक पत्न 5—कम्पनी ला (एक प्रकारक पत्न —तीन धंटे—100 श्रंक)

ज्ञान का स्तर: बहुत ग्रन्छा ज्ञान

उद्देण्य: कानून के ज्ञान तथा कंपनी ला ध्रौर संबंधित एक्ट के संबंध में प्रैक्टिस में विद्यार्थियों के ज्ञान का परीक्षण करना

विस्तत विवरण:

कम्पनीज एक्ट 1956 (माइनस सेक्शन 1-14) (ग्रनुसूची I से VIII तक को छोड़ ग्रन्थ ग्रनुसूची) (एम० ग्रार० टी० पी० एक्ट)

फारेन एक्सचेंज रेगुलेशन एक्ट (सेक्शन 1-31)

ं दि कैंपिटल इश्यु कन्ट्रोल एक्ट 1947 तथा, एक्जम्पशन/ भ्रार्डर । स्टेटम भ्रीड्स तथा डाक्यूमेंटस की व्याख्या करने के मूल सिद्धान्त तथा नियम ।

> प्रश्न पत्न 6 डायरेक्ट टैक्स ला (एक प्रश्न पत्न तीन घंटे---100 श्रंक)

ज्ञान का स्तर: अच्छा ज्ञान

उद्देषय: विभिन्न डायरेक्ट टैक्स ला के संबंध में कानून तथा प्रैक्टिस के लिए विद्यार्थियों के ज्ञान को परखना। विस्तृत विवरण: विद्यार्थियों से यह श्रपेक्षा की जाती है कि उन्हें निम्नलिखित डायरेक्ट टैक्स विधि के समस्त पहलुखों का मौलिक ज्ञान हो

- (1) इनकल टैक्स एक्ट
- (2) कम्पनीज प्रोफिट्स (सर-टक्स) एक्ट
- (3) बेल्थ टैक्स एक्ट
- (4) गिफ्ट टैक्स एक्ट और
- (5) एस्टेट इयुटी एक्ट

प्रशन पत 7 तथा 8---नीचे दिये गये ए तथा बी संयो-जन में से कोई भी दो प्रशन पत्र भूने जायें।

> कम्बिनेशन ए प्रम्न पत्न 1—कार्पोरेट मनेजमेंट (एक प्रम्न पत्न तीन घन्टे—100 श्रंक)

ज्ञान का स्तर: मामान्य ज्ञान

उद्देश्यः कार्पोरेट गौल्स तथा पालिसी की जानकारी के लिए विद्यार्थियों की परीक्षा लेना (साथ में मनेजमेंट के विभिन्न कार्य क्षेत्रों के बीच समन्वय) घौर उन्का परस्पर संबंध

विस्तृत विवरण

- मैंनेजमेंट के मूल सिद्धान्त—प्लानिंग भार्यनाइजेशन कन्ट्रोलिंग, मोटिवेशन
- 2. एन्टरप्राद्वज के उद्देश्यों तथा महत्व का निर्धारण, स्ट्रेटेजी, पालिसीज, प्लानिग, मनेजमेंट पालिसी को लागू करना, भ्रार्गनाइजेशनल स्ट्रक्चर, डेलीगेशन भ्राफ श्रथारिटी, स्पान श्राफ कन्ट्रोल।
- 3. निर्णय—कार्यकलाप तथा प्रिक्रिया को बनाना, निर्णय बनाने की श्योरी, उपलब्ध विकल्पों के मध्य पसंद की समस्या, वर्तमान निर्णयों के भाषी प्रभावों के ग्रनुमान की समस्या।
- 4. प्रधिक अवधि तथा अल्पाविध की प्लानिंग, प्लानिंग के तरीके तथा उद्देश्य प्लानिंग में श्राने वाली समस्यार्थे।
- 5. कम्पुनिकेशन, लीडरिशप तथा मोटिबेशन, ग्रुप डायना-मिक्स, भार्गनाइजेशनल परिवर्तन तथा विकास, कन्ट्रोल की धारणा, मैंकेनिकल ब्रेतथा कन्ट्रोल का ढंग।
- तरकार तथा उद्योग, विधायी अपेक्षाएं, राष्ट्रीय मार्थिक प्लानिंग तथा एन्टरप्राइज ।
- 7. एन्टरप्राइज तथा सामान्य वाह्यवातावर्ग, ग्राधिक, सामाजिक, तथा राजनीतिक, बदलती हुई राजनीतिक तथा ग्राथिक प्रकाश में विकसित मनेजरियल कूट रचना।
- 8 टाप मैंनेजमेंट के फंक्शन, इयुटी तथा उत्तरदायित्व, बीर्ड श्राफ डायरेक्टर्स मण्डल, शेयर होल्डरों के साथ संबंध, मैंनेजिंग डायरेक्टर तथा श्रन्य ऊंचे मैंनेजरियल व्यक्ति, मैंनेजमेंट का प्रोफेसनाइजेशन, कर्मचारियों का योगदान ।
- 9. टेक ग्रोबर, मर्जर, एक्वीिज्यन, एमलगामेंट ग्रादि से संबंधित मैनेजमेंट की समस्याय ।
- 10. विभिन्न गतिविधियों का मैनेजमेट
- (ए) परचिर्जिग-म्रार्गनाइजेशन इन्टरनल केन्द्रोल मन्य विभागों के साथ संबंध ।
 - (बी) उत्पादन संगठन प्लांनिंग तथा भ्रनुसूचा समय तथा मोशन स्टर्ड न कन्ट्रोल प्रोसीजर भ्रन्य विभागीं के साथ संबंध ।
 - (सो) मार्केटिंग सेल्स मैंनेजमेंट आर्गनाइजेशन, फार्मूलेशन आफ सेल्स पालिसी तथा सेल्स बजट सेटिंग और मार्केटिंग में भेद फोरकास्टिंग टैक्नीक मार्केट सर्वेज अन्य विभागों के साथ संबंध ।
 - (डा) परसोतल आर्गनाइजेशन जाब इवैलुयेशन परसोतल पालिसीज कर्मचारियों का संबंध कर्मचारियों की द्रेतिंग कौसर्थिंग तथा गाइडेस लाइव स्टाफ झगड़े की समस्यावेतन पुरस्कार तथा इन्सेटिव कांन्सेट आफ मीटिवेशन

श्रम्छे लीडरिणप के प्रभाव श्रपेक्षा केलीगेशन सक्ति का केन्द्रांटकरण श्रन्य विभागों के माथ सहयोग ।

(ई) शोध तथा विकास—आर्गनाइजेशन प्रन्य विभागों के साथ संबंध ।

प्रश्न पत्न 2 मैनेजेरियल इकनामिस्क एंड नेशनल एकाउन्टिंग

(एक प्रश्न पत्र--तोन घंटे---100 भ्रंक)

ज्ञान का स्तर : ग्रच्छा कार्य ज्ञान

उद्देश्य : समकालीन भ्राधिक वातावस्ण की धारणा में भ्राधिक एवं मैंनेजिरियल स्थितियों के विशेष्टता प्राप्त तकनीकियों में विद्याधियों की योग्यता को देखना ।

विस्तृत विवरण :

- 1. परिभाषाएं : दशा तथा स्थान ग्रन्य विज्ञानों से संबंध
- मैथाडालाजी : माडल्स का प्रयोग—केसस्टर्ड मैथड, उनके संबंधित लाभ
- 3. बेसिक इकनिमक कन्सप्टः मार्जिनलिज्म, इक्विमा-जिलिज्य प्रोक्तरेंम एप्रोज, अपार्युनिर्दः कास्ट, टाइम परपेक्टिव, डिस्काजिंटग, इक्षास्ऐसिटी, रिस्क तथा अनसेटेंन्टः।
- बिजितिस फर्म . धर्य, फर्म कि ध्योरियां, उद्देश्य बिजितिस के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्लानिंग तथा स्थान सहित ब्यूह-रचना ।
- 5. प्रोजेक्ट प्लानिंग, टेक्नोकल फीमिबिलिटी, लोकेणन पर निर्णय तथा साइल, फाइजेणियात फीमिबिलिटी, शोसल किसी विलिटी।
- डिमाण्ड एनानिसिम: विशेषताएं ला श्राफ डिमांड, मांग की लीच, विभिन्न मार्केट स्थितियों ने ग्रन्तर्गत मांग का वर्णन।
- 7. फीरकास्टिंग फीरवास्टिंग की त्या तथा स्थान, डिमाण्ड डिट्रिमिनिशन्स, फीरकास्टिंग डिमांड के तरीके, वर्तमान तथा नये उत्पादनों की सम्भावनाएं।
- प्रोडक्शन फंक्शन अर्थ, किस्म, प्रयोग, प्रोडक्शन फंक्शन का डेरोबेशन ।
- कास्ट एनालिमिम : कास्ट कान्सेण्ट कास्ट फंक्शन एना-सिसिम श्राफ कास्टबिहैवियर, कास्ट बेनिफिट एनालिसिस ।
- 10. प्राइसिंगः मार्केट स्ट्रकचर विभिन्न मार्केट स्ट्रकचर के प्रन्तर्गत कीमतें, रिटर्न तथा प्राइसिंग की दर।
- 11. एडवर्टाईजिंग: कास्ट तथा प्रोपिटेबिलिटी पर इसका प्रभाव।
- 12. श्राथक नंति : धन तथा उधार नाति, ग्रिस्कल तथा बजटरी पालिसी , इण्डस्ट्रियल पालिसी तथा लीइ-संसिंग मैनेपलाज एंड कन्ससेन्द्रेशनश्रा इकनामिक पावर से संबधित नीति, इम्पोर्ट श्रीर एक्सपोर्ट पीलिसी, फारेन एक्सचेंज तथा एक्सचेंज कण्ट्रोल के संबंध में नेति ।
- 13. देश मे श्राधिक वातावरण : श्रर्थव्यवस्था के विभिन्न खेमों में विकास की दशा तथा गुण विकास की समस्या : श्राधिक

विकास में राज्य का भूमिका, प्लानिंग की दशा, प्लानिंग के विस्तृत उद्देश्य, पंचवर्षीय योजनाश्रो के श्रन्तर्गत प्रगति को श्रांकता ।

14. नेणनल एकाउटिंग: नेणनल एकाउटिंग सिस्टम भारत में नेणनल एकाउटिंग, इनपुट-श्राउट पुट टेबल्म, एलो, श्राफ फण्डम स्टेटमेंट, उनवा श्रान्तरिक संबंध, भारत में नेणनल इनकम एकाउन्टम बनाने की समस्या ।

> प्रक्त पत्न 3 सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस (एक प्रक्रन पत्न---सीन घंटे---100 श्रक)

ज्ञान का स्तर: ग्रन्छा ज्ञान

उद्देश्य : संक्रेटेरियल प्रैक्टिम तथा प्रामीजर के संबंध में विद्यार्थी की योग्यता को परखना ।

विस्तृत विवरण कार्पोरेट एन्टरप्राइज के संगठन द्वाचे में कंपनी सेन्नेटरो का स्थित कम्पनी सेन्नेटरी के कार्य कानून प्रैं किटस तथा प्रासीजर, जो कंपनी की मीटिंग्स, रेजोलेशन नोटिसेज, एजेंडा मिनटस, जिसमें प्रिसिपल तथा ड्राफ्टंग कन्ट्रोल ग्राफ कैपिटल इश्यूज भी गामिल है, से संबंधित कम्पनी कारेसपोडिस, रिपोर्ट की ड्राफिटंग, पुरक्षको तथा रिजस्टर ग्रावि का रख-रखाव वेयरमैन की स्पीच का महत्व —कम्पनी मीटिंग में मैनेजिंग डायरेक्टर का स्टेटमेंट—मोयर होल्डरों की सूचना की उपस्थित में रीसेन्ट ट्रेज्डस कंपनी सेन्नेटरी से संबंधित सहायक मामले जैसे स्टाफ एक्सचेंज रेगुलेशन, इज्डस्ट्रियल लाइसेसिंग पालिसी, एम०ग्रार०टी०पी० एक्ट 1964 की व्यवस्थाएं तथा फारेन एक्सचेंज रेगुलेशन एक्ट 1974 की व्यवस्थाएं ग्रोर उनके नियम व तरीके।

प्रश्न पत्न 4 मैंनेजमेंट इंफार्मेशन एंड कन्द्रोल सिस्टम-(एक प्रश्न पत्न—सीन घंटे—100 ग्रंक)

ज्ञान का स्तर: श्रच्छा कार्य ज्ञान

उद्देश्य : मैनेजमेंट इन्फार्मेशन तथा कन्ट्रोल सिस्टम के कार्यकरण के संबंध में विद्यार्थी की जानकारी की परीक्षा लेना।

विस्तुत विवरण: -

- 1. मैनेजमेंट इन्फार्मेशन सिस्टम की मूल श्रपेक्षाएं, इसकी उपादेयता, उद्देश्य तथा महत्व मैनेजमेंट के विभिन्न स्तरों पर सूचनाओं की विभिन्न किस्मों की श्रावश्यकता की पहचान।
 - 2. कम्प्यूटर : श्राफ हार्डवेयर एंड सोफ्टवेयर के सिद्धान्त ।
- 3. इन्फार्मेशन सिस्टम को लगाने की प्रावश्यकता विशेष रूप से प्रत्येक विजनिस के उद्देश्यों के लिए डिजायन, एम० ग्राई० एस० का स्तर फोरकार्टिंग, प्लानिंग, कन्ट्रोल, मार्डालंग, कम्यूटिंग एंड डेय बेस एडिंगिनिस्ट्रेशन, एम० ग्राई० एस० को लगाने तथा चलाने की समस्या।
- नीति निर्धारण करने के लिए सूचना को प्रयोग का व्यवहारिक ज्ञान, मार्कींटग, प्रोडक्शन, परसोनल पर्चेंजिंग

फाइनेस के क्षेत्रों मे प्लानिंग ग्रीर कन्ट्रोल सूचनाएं तथा एक्यूरेटिंग लांग टर्म व शार्ट टर्म प्लानिंग, बजटरी कन्ट्रोल, इन्बेन्टरी कट्टोल, मेल्स तथा केंडिट कन्ट्रोल, मार्फेटिंग फोर-कास्ट, मार्केट तथा मेल्स प्लानिंग तथा प्रोडक्ट डिस्ट्रिब्यूश्सन, प्रोडक्शन कन्ट्रोल, उन्बेन्टरी कन्ट्रोल, मैंटरीरियल श्रपेक्षाएं प्लानिंग मधा प्रोजेक्ट कन्ट्रोल मैंनेजमेंट रिपोटिंग।

- 5. एम० आई० एस० की सोमाएं:
- 6. इवार्लिय मैनेजमेट कन्द्रोल सिस्टमस, टाइम, धार्गनाइजेशनल कन्सट्रेन्टस तथा लिकेज मैनेजमेंट फ्लासफी के
 साथ। इवैल्यूट परफार्मेंस के लिए विशेष उत्तरदायित्यों को
 निर्धारण करना, डिटर्मिनिंग स्टैण्डर्ड, प्लान्ड रिजल्टस के
 विरुद्ध वास्तविक परिणामों को नापना, विभिन्न स्तरों पर
 इवैल्यूयेशन परफार्मेन्स, ट्रांसफर प्राइसिंग, डिबीजनल कन्द्रोल
 का ग्रार०ग्रो०ग्रार० सिस्टम।

कम्बिनेशन (बी)

प्रथन पत्न 1 श्रापरेशसं रिसर्थ एंड स्टेटिस्टिकल एनालिसेस (एक प्रथन पत्न तीन घंटे 100 श्रंक)

ज्ञान का स्तर: अण्छा कार्य ज्ञान

उद्देश्य : बिजनिस समस्याश्रों में श्रापरेशसं रिसर्व तथा स्टेटिस्टिकल एनालिसिस के संघालन की तकनीकी को लागू करने में विद्यार्थियों की योग्यता का परीक्षण करना ।

विस्तृत विवरण:

- 1. किस्म, श्रापरेणसं रिसर्च का महत्व सथा उहेश्य मूल घारणा तथा परिभाषा मैथाडोलाजी श्राफ श्रापरेणंस रिसर्च कन्टट्रमणन, माडल्स का हल तथा टेस्टिंग, सालूणन का प्रयोग तथा नियंत्रण।
- 2. इन्वेन्टरी कन्ट्रोल : एक्सपोशियल स्मूर्थिग, सेफ्टी स्टाक्स, बैचिंग, एग्रीमेंट इन्वेन्टरी मैनजमेंट, फ्किस्ड ग्रार्डर क्वालिटी तथा पीरियाडिकल रिब्यू सिस्टमस, डाइनेमिक ई० ग्रो०क्यू० माङस्स ।
- 3. सिंगल चेनल भवीशंग समस्या, इलेमेंटस धाफ रिप्लेस-मेंट थ्योरी, मेथाडोलाजी धाफ सिम्पूलेशन, एप्लीकेशन धाफ सिम्पुलेशन टू प्रावनम्स श्राफ फाइनेशियल प्लानिंग एंड इन्थे-स्टमेंट डिसीजन।
- 4 लाइनर प्रोग्नामिंग, ग्रैंपिकल द्रायल तथा एरर भीर सिम्पलेक्स मेथड्स, डयूएलिटी समस्या, द्रांस्पोट्रेशन भीर एसायनमेंट समस्या।
- 5. स्टेटिस्टिकल डिसीजन थ्यौरी, मैक्सिमैक्स, मैक्सि-मिन, एक्सपैनटेड पे श्राफ काइटेरिया, रीग्नेट फंक्शज, एक्स-पैकटेड वेल्यू श्राफ परफोक्ट इन्फार्मेशन, सिम्पर्लिग एंड पोस्टे-रियर डिस्ट्रिब्यूशन, नार्मल एंड बाइनोमियल, यूटिलिटी फंक्शन, डिसीजन ट्री प्रोक्षलम्स ।
- 6. स्टेटिस्टिकल क्वालिटी कन्द्रोल कन्द्रोल चार्ट्स फार वेरियेवल एंड एटीब्यूटस, एक्सपग्रटेस सम्प्यलिंग फार एटी-ब्यूटस एंड वेरियेक्स।

- 7. इन्बेस्टमेंट तथा श्रनसंटेन्टि, रिस्क एडजस्टेड डिस्का-उन्ट रेट, सर्टेन्टिरी इक्बीवलेट एप्रोच, हिलीर्स माडस्स ।

प्रश्न पत्न 2 सिस्टमस एनालिसिस एड डेटा प्रोसेसिग (एक प्रश्न पत्न तीन घटे-~100 धंक)

शान का स्तर : ग्रन्छा कार्य ज्ञान

उद्देश्य: डेटा प्रोसेसिंग डेबाइसेज के संबंध में विद्यार्थी के ज्ञान की परीक्षा लेना तथा उसके प्रयोग के लिए उसकी योग्यता देखना।

विस्तृत विवरण

- यूनिट रेकार्ड इक्ष्विपमेट, विभिन्न मणीनें तथा उनके कार्य क्षिजनिस एप्लीकेणसन्स ।
- 2. इलैक्ट्रानिक डेटा प्रोसेसिंग सिस्टम्स : इनपुट/झाउटपुट मीडिया तथा डेवाइसेस, सेन्ट्रल प्रोसेमिंग यूनिट, भ्रागेलाइ-जिंग एंड प्रोसेसिंग कम्पंयूटर फाइल्स के तरीके हार्डवेयर एंड शापटवेयर रियल टाइम सिस्टम्स, मंल्टिप्रोसेसिंग, मल्टी प्रोग्नामिंग भीर टाइम शेयरिंग।
- 3. डेटा प्रोसेसिंग डेवाइसेच की एप्लीकेणन : सेल्स एकाउन्टिंग, इन्वेन्टरी एकाउटिंग परचेण और डिसबर्समेंटस पेराल, प्रोडक्शन शेडयूलिंग इन्वेन्टरी कन्ट्रोल तथा कास्ट एकाउन्टिंग।
- 4. सिस्टम एनालिसिस, मैथाडालाजी, एरिया सलेक्शन पोसिबिलिटी स्टडीज कम्बिलेशन ग्राफ मास्टर डेवलपमेंट प्लान डिजायन सिस्टम्स, एमलीमेंन्टेशन सिस्टम्स ग्राडिट।
- 5. इक्ट्रिपमेंट तथा बेन्डोर सलेक्शन की पसंद, परचेजिंग, रेठिंग तथा नीजिंग, हायरिंग, कम्प्यूटर टाइम बनाम इन-हाउस कम्प्यूटर, भ्राउटसाइड कन्सलेटेनट तथा सर्विस करों का प्रयोग। सिस्टम्स डेबलपमेंट के लिए धजटिंग।
 - 6 कम्प्यूटर सर्विस विभाग के संगठनात्मक पहलू।
- 7. मैनेजमेट स्टेण्डर्ड सिस्टमस एनालिससिस स्टेण्डर्ड्स प्रोग्नामिंग स्टेण्डर्ड्स प्रापमेटिंग स्टेण्डर्ड्स डाक्यूमेटेंशन स्टेण्डर्ड्स परफार्मेंस स्टैण्डर्ड्स ।
- 8 कन्द्रोल तथा ब्राडिटिंग—ब्रार्गनाइजेशनल कन्द्रोल, डेटा प्रोसेसिंग कन्द्रोल तथा फैंसिलिटी कन्द्रोल्स । ब्राडिट एप्रोच्च, ई०डी०पी० सिस्टम्स में ब्राडिट ट्राइल की समस्या —स्पेशल ब्राडिट टेक्नीक ।

प्रश्न पत्न 3 टैक्स प्लानिंग तथा टैक्स मैनेजमेंट (एक प्रश्न पत्न तीन घन्टे 100 श्रंक)

ज्ञान का स्तर: श्रच्छा ज्ञान

उद्देश्य: निम्नलिखित के लिए विद्यार्थी का ज्ञान परीक्षण

- 1. वे विभिन्न क्षेत्र जिनमें टैक्स प्लानिंग ली जाती है।
- 2. उसके उद्देश्य तथा तरीके।

- ऐसे विशिष्ट क्षेत्रों में वास्तविक एप्लीकेशन विस्तृत विवरण :
- 1 भारत में डायरेक्ट टेक्स ला के मूल फ्रेसवर्फ
 —-विभिन्न टैक्सों में संबंध तथा ऐसे सबंधों में टैक्स प्लानिंग
 की समस्या, भारत में टैक्सेशन की स्कीम इनकम टैक्स
 एक्ट की संबंधित श्रावश्यकता तथा वापिकी वित्त एक्ट
 टैक्स रेट्स तथा टैक्स ध्रमेण्डमेटस के श्रावेदन से होने वाली
 विशिष्ट समस्यायें। प्रायरटैक्स इिलग्स—इसके संदर्भ में टैक्स
 प्लानिंग की समस्यायें।
- 2. टैक्स मैनेज्मेंट निर्णय जो ध्योरिटिकल एप्रीसियेशन ग्राफ ला पर ग्राधारित है तथा इस तरीके की जागरूकता जिसमें यह प्रैक्टिस मे लागू हो सके। एडमिनिस्ट्रिटेंक लेजिसलेशन के सदर्भ में टैक्स प्लानिंग की समस्या सर्वोडि-नेन्ट लेजिसलेशन की चैलेजिंग वायरस टैक्स मैनेजमेट की ग्रामिडिजेशन समस्या।
- 3. टैक्स प्लानिंग के विभिन्न स्वीकृत तरीके जैसे लीगल डायवेर्धन श्राफ इनकम, कटौती के लिए श्रधिकाधिक दोवें पेश करना, उपलब्ध श्रनुतीषों तथा छूटों का लाभ उठाना, श्राय के ऋण मुक्त सत्रतों का लाभ उठाना, श्राद । किन्हीं परिस्थितियों के श्रन्तर्गत श्राय के सग्रीगेशन के लिए व्यवस्थाश्रों से उठने वाली समस्वाएं श्रीर इस सरह की व्यवस्थाश्रों को साफ रखने के लिए कानूनी श्रवसर ।
- 4. प्रपील, रिवीजन रिव्यू, रेक्टिफिकेशन—इापिटंग, ग्राउण्डस श्राफ ग्रपील, ग्रार्गूमेट ग्राफ ग्रपील सेन्ट्रल बोर्ड को मेमोरण्डा तथा ग्रन्य इसी तरह के ग्रावेदनों द्वारा श्रागामी कार्यवाही निर्धारित करने के लिए श्रससमैंट श्रार्डर का रिव्यु।
- 5. टैक्स प्लानिंग तथा कैंग मैनेजमेंट, साथ कैंग टेक्स
 पत्नों भ्रौर कैंग बजट की समस्याये—कर योग्य भ्राय के
 प्रतिशत के रूप में प्रकाशित कर उत्तरदायित्व तथा वार्षिक
 भ्राय के लिए उत्तरदायित्व भ्रौर इन दो प्रतिशतों में भ्राने
 वाली समस्यायें।
 - 6. एप्रोप्रियेट फार्म प्राफ प्रार्गनाइजेशन का चयन, प्रथित् पार्टनरिशप फर्म या ज्वाइंट स्टाक कम्पनी, इण्डियन क्रींच प्राफ फारेन कम्पनी बनाम इण्डियन कम्पनी फारेन क्रांच श्राफ एन इण्डियन कम्पनी बनाम मैपरेट फारेन कम्पनी सबसिडिश्ररी बनाम क्रांच श्रादि।
 - स्पोसिफिक मैनेजमेंट डिमीजन के संबंध में आने वाली कर अवधारणायें।
 - (1) बनाना या खरीदना
 - (2) स्वामित्व प्रथवा लीज
 - (3) रिटेन या रिप्लेस
 - (4) रिपेयर या स्क्रेप या रिटेन
 - (5) स्क्सपोर्ट बनाम लोकल सेल।
 - (6) शटडाजन या कन्टिन्यु।

- (7) एक्सपेक्क मा कन्द्रास्ट।
- (8) हिं वेदर इनवेस्टमेंट।
- 8. प्रधिक से श्रिष्ठिक कर अनुतीय पर एकाउन्टिंग सायआनियां (श्रयांत् नयें श्रीक्षोणिक संस्थाम के लिए पृथक रिकार्ड, आइडेन्टिफाइंग एक्सपोर्ट विस्तार के लिए पर्याप्त
 रिकार्ड, विशेष कटौती के लिए विणिष्ट विस्तार की पहचान
 के लिए पर्याप्त रिकार्ड तथा प्रलेख, बैकिंग माध्यम से भृगतान जब यह 2500 से प्रधिक हो आदि, तक्षु व्यापारियों तका
 व्यवसायियों के लिए ग्रासान एकाउन्टिंग रिकार्ड के डिजायन
 इस दृष्टि से कि उन्हें कर निर्धारण में ग्रधिकतम कर छूट
 ग्रीर न्यूनतम श्रमुविधा हो। लघु व्यापारियों तथा व्यावस्तिययों के लिए उनकी कर संबंधी श्रपेक्षाश्रों को पूरा करने
 के लिए पथ दर्शन जैसे एडकांस टैक्स का भुगतान, रिटर्न
 भरना, डिडक्शन के लिए क्सेम ग्रादि।
 - 9. किन्हीं विशेष क्षेत्रों में कर विचार।
 - (1) विवेशी सहयोग एग्रीमेंट (जिसमें डबल टैक्सेशन एग्रीमेंट तथा यूनिलेटरल डबल टेक्सेशन रिलीफ प्रोवीजन्स भी सम्मिलित है)
 - (2) मर्जर, एमलगामेशन, रिकन्सट्रम्शन, एम्जीगेशस श्रादि।
 - (3) कैपिटल स्ट्रमचर कैपिटल की राणि कैपिटल तथा रिजर्वस क्नाम इक्जिटी श्रादि।
 - (4) कम्पनियों के विशेष संवर्भ सहित डिवीडेंड पालिसी जिसमें लोग इंग्लुक नहीं हैं।
 - (5) डिप्रिसियेशन, इन्वेस्टमेंट एलाउंस तथा ग्रन्थ इसी तरह के भत्ते।
 - (6) टैक्स होलीडे तथा श्रन्य भ्रनुतोष भौर रिजेट, उद्योगों के लिए।
 - (7) पर्सनल कम्पेनसेश्वन प्लान्स
 - (8) विभिन्न बिजनिस ग्रापरेशन के समय जिसमें कर्मचारियों की रिटायरमेंट भी सम्मिलित है।
 - (9) इण्डियन टैक्स लाज की योजना में डबल टैक्सेशन इमहोरिन्ट (श्रर्थात् इन्टर कार्पीरेट डिवीडेन्डस रजिस्टर्ड फर्म भावि) तथा टैक्स प्लानिंग ग्रादि में उसका महत्व ।
 - (10) समुचित एकाउटिंग वर्ष का धयन तथा उसके संबंध में टैक्स प्लानिंग
- 10. रिप्रजेन्टेटिक एंड विकारियस टैक्स लायबिलिटी तथा उसके संबंध में टैक्स प्लानिंग।

प्रमन पत्न 4 मैनेजमेंट तथा आपरेशनल श्राहिट (एक प्रश्न पत्न तीन घंटे 100 श्रंक)

ज्ञान का स्तर --प्राच्छा ज्ञान

उद्देश्य---विद्यर्थियों के ज्ञान की निम्नलिखित में परीक्षा करना।

3-289QI/81

- (1) स्टेप्प्रपी अमेकाश्री से मैमेकांग्रेट रिगार्डलेस की सहायतार्थ श्रीडिंट के क्षेत्रों की श्रावक्यकता तथा
- (2) मैंनिजमैंट श्राडिट के टेक्नीकल तथा माडुलिटीज विस्तृत विवस्ण
- कान्सेष्ट आफ मैनेजमेंट तथा ग्रापरेशनल श्राडिट इसकी दक्त और उर्हेक्य झार्गनाइजेशन, श्राडिट प्रोग्राम— व्यवहारिक समस्यायें।
- 2. स्पेसिफक एरियाज ब्राफ मैनेजमेंट एंड श्रापरेशनल आपरेशनल ब्राडिट श्रीर इन्टरनेल कन्ट्रोल की रिव्यू परचे-जिंग आपरेशन्स, मैन्युफैक्चरिंग ब्रापरेशंस सेलिंग तथा डिस्ट्रिय्शन, परसोनल पालिसिज, सिस्टम तथा प्रासीजर।
- इवैत्यूमन प्राफ मैनेजमेंट इन्फर्मेशन तथा कंट्रोल सिस्टमस । बिहेवेरियल प्राप्तलम पर विशेष बल के साथ परफार्में स इवैत्यूएमन की समस्यायें ।
 - प्रापर्टी भ्राडिट—समस्यायें तथा एप्लीकेशन
- 5. विशिष्ट स्थितियों तथा समस्याभों के संदर्भ में लिखित रिपोर्ट तथा क्लैश रिपोर्टस भौर मेनेजमेंट रिपोर्ट कालोभप के द्वारा मैनेजमेंट को महस्वपूर्ण तथ्यों के बारे में जानकारो देना।
- 6. स्टैटिस्टिकिल सैम्पल का प्रयोग तथा फ्लो चार्टिक टेक्नोक (दोनों ही मैन्युश्नल घौर ई० डी० पी० सिस्टम्स के श्रतंगैत) श्रांडिटिंग में एकाउटिंग रेशों का प्रयोग ।
 - 7. परफार्में स माडिट तथा स्पेसिफिक इन्वेस्टीगेशंस
- 8 (ए) कम्पयूटराइजिंग एकाउन्टस के माडिट की विशेष समस्यायें। इन्टरनल कन्ट्रोल का रिब्यू, विशेषकर मार्गनाईजेमनल कन्ट्रोल्स, इनपुट कन्ट्रोल्स, माउटपुट कन्ट्रोल्स तथा ई० डी० पी० एक्विपमेंट के मैल फंक्शर्निंग के ऊपर कन्ट्रोल।
- (बी) डेटा प्रासेसिंग आउटपुट के आडिट की सकीनीक "कम्प्यूटर द्वारा आडिटिंग" तथा "कम्प्यूटर के चारों घोर बार्डिटिंग इन्टरनल तथा मैनेजमेंट आडिट के लिए कम्प्यूटर प्रणाली का प्रयोग"। प्रोसेसिंग प्रणाली का परीक्षण टैस्ट पैक्स, लाभ आफ आडिट टाइल की समस्या, कम्प्यूटराइण्ड आडिट समस्या।
- (सी) कम्यूटर सिस्टम्स की स्थापना के समय प्राडिटर का प्रयोग उपरोक्त विवरण परीक्षा में प्रत्येक प्रश्न पत्न में पूछे जाने काले सम्भावित सामान्य पश्चमंत हैं।

9ए फाइमल परीका उसीगं करने के लिए अपेक्षाएं

(1) सामान्य तथा श्रंतिम परीक्षा में वह विद्यार्थी उसीणं समझा जायेगा यदि वह पैराग्राफ 9 के सब पैरा-ग्राफ (1) के श्रंतर्गत तीनों युपों या पैराग्राफ 9 के सब-पैराग्राफ (2) के श्रन्तर्गत दोनों को ही उसीणें कर लेगा जैसा भी मामला हो या तो एक साथ या विभिन्न परीक्षाओं में न्यूनसम् 40% श्रंक प्रत्येक युप में तथा प्रत्येक ग्रुप के सभी प्रश्नपत्नों के कुल का न्यूनतम 50% श्रंक प्राप्त करेगा। (2) ऐसा होते हुए भी उपरोक्त सब-पैराग्राफ में उल्लिखित कोई विद्यार्थी जो एक या ग्रधिक में उल्लिखे होता है, किन्तु सब में नहीं जो इस ग्रुप की है तथा इस श्रनुसूची के अन्तर्गत श्रंतिम परीक्षा के ग्रुप में है शौर जो श्रप्रैल 1983 से पूर्व ली गई परीक्षा में है, इस मामले में ग्राह्य नीचे लिखे गये टेबल के कालम 2 में उल्लिखित छूट के लिए ग्राह्य होगा, जैसा भी उसके मामले में ग्राह्य हुया तथा वह ग्रंतिम परीक्षा में उत्तीर्ण घोषित माना जायेगा यदि वह शेष प्रश्न पत्नो में तथा/या ग्रुप या ग्रुपों में जिसका उल्लेख कथित टेबल के कालम 3 में किया गया है, ग्रंक प्राप्त करता है।

उपरोक्त वर्णित देवल इस प्रकार है

1 श्रप्रैल 1984 से पूर्व ली गई अंतिम परीक्षा में प्रत्याशी द्वारा पास ग्रुप या ग्रुपों का विवरण	छूट जिसके लिए प्रत्याशी किसी भी ग्रंतिम परीक्षा जो 1 धप्रैल, 1984 के बाद ली गई है प्राह्य है।	छूट न प्राप्त प्रक्षन पत्न/प्रक्षन पत्नों तथा/या ग्रुप में परवर्ती परीक्षा जिसका उल्लेख यहां कालम 2 में किया गया है, प्रत्याणी द्वारा प्राप्त किये जाने वाले ग्रंक ।		
(1)	(2)			
केवल ग्रुप 1	प्रका पत्र 1, 2 तथा 3 ग्रुप 1 में	(1) ग्रुप 1 के पैपर 4 में 40% से ेग्रधिक श्रीक तथा		
		(2) ग्रुप 2 के प्रश्न पत्न 5, 6 व 7 तथा 8 के प्रत्येक में 40% से कम श्रंक नहीं तथा कथित प्रश्न पत्न 5,6,7 व 8 के कुल श्रंकों के 50% से कम नहीं।		
केवल ग्रुप 2	प्रधन पन्न 5 तथा 6 ग्रुप 2 में	(1) ग्रुप 1 के पेपर 1,2 व 3 तथा 4 प्रस्थेक में 40% से कम श्रंक नहीं तथा कथित पेपर 1,2,3 व 4 के श्रंकों के कुल योगका 50% से कम नहीं		
		(2) ग्रुप 2 के पेपर्स 7 तथा 8 में प्रत्येक में 40% से कम धंक नहीं तथा कथित पेपर्स 7 तथा 8 के कुल योगका 50% से कम नहीं।		
केवल ग्रुप 3 (उस मोमले में जहां या तो योगदान 'ए' या योगदान 'सी' ऐसी पूर्व वाली परीक्षा में लिया गया था)।	प्रश्नपन्न 7 तथा 8 (झुप 2)	(1) ग्रुप 1 के पेपर 1, 2, 3 तथा 4 में 40% से कम श्रंक नहीं तथा कथित पेपर्स 1, 2,3 तथा 4 के कुल योग में 50% से कम नहीं		
		(2) ग्रुप 2 के पेपर्स 5 व 6 में प्रत्येक में 40% से कम श्रंक नहीं तथा कथित पेपर 5 व 6 के कुल श्रंकों के 50% से कम श्रंक नहीं।		

(1)	(2)	(3)
केवल ग्रुप 3 जहां कम्बिनेशन 'बी' पूर्व की परीक्षा में लिया गया था।	प्रश्न पक्ष 4 ग्रुप 1 का प्रश्न पत्न 7 श्रीर 8 (ग्रुप 2 के)	 (1) ग्रुप 1 के प्रत्येक प्रयन पत्न 1, 2 व 3 में 40% से कम श्रंक नहीं तथा कथित पेपरों 1, 2 व 3 के कुल श्रंकों के 50% से कम नहीं। (2) ग्रुप 2 के पेपर्स 5 व 6 में प्रत्येक में 40% से कम श्रंक नहीं तथा कथित पेपर्स 5 व 6 के योग के 50% से कम नहीं।
ग्रुप 1 व 3 (जहां ऐसी पूर्ववर्ती परीक्षा में संयोजन 'बी' सिया गया था)	(1) ग्रुप 1 का सारा तथा . (2) ग्रुप 2 के पेपर 7 व 8	ग्रुप 2 के पेपर 5 व 6 के प्रत्येक में 40% से कम नहीं तथा कथित पेपर्स 5 व 6 के कुल योग के 50% से कम नहीं।
म्रुप 1 तथा 3 (जहा ऐसी पूर्ववर्ती परीक्षा के कम्बिनेशन 'ए' लिया गया था) ।	(1) ग्रुप 1 के प्रश्न पत्न 1,2 तथा 3 भौर ग्रुप 2 के प्रश्न पत्न 7 व 8,	 (1) ग्रुप 1 को पास करने के लिए ग्रुप 1 के पेपर 4 में 40% से कम श्रंक नहीं तथा (2) ग्रुप 2 के पेपर 5 व 6 प्रत्येक में 40% से कम श्रंक नहीं तथा ग्रुप 2 के कथित पेपर 5 व 6 के कुल श्रंकों का 50% से कम नहीं।
मुप 1 व 2	(1) ग्रुप 1 के प्रश्नपन्न 1,2 तथा 3 तथा (2) ग्रुप 2 के प्रश्नपन्न 5 तथा 6	 (1) ग्रुप 1 को पास क्रूरने के लिए ग्रुप 1 के पेपर 4 में प्रकों का 40% से कम नहीं। (2) ग्रुप 2 के पेपर 7 तथा 8 के पेपर में 40% से कम नहीं तथा ग्रुप 2 को पास करने के लिए कथित पेपर 7 व 8 के कुल योग के 50% से कम श्रंक नहीं।
म्रुप 2 सथा 3 (जहा ऐसी पूर्ववर्ती परीक्षा में कम्बिनेशन 'ए' या कम्बिनेशन 'सी' लिया गया हो)	सम्पूर्ण ग्रुप 2	ग्रुप 1 के पेपर 1, 2, 3 घ 4 के प्रश्न तों का 40% से कम नहीं तथा कथित पेपर 1, 2, 3 तथा 4 के कुल योग के 50% से कम नहीं।
मुप 2 य 3 (जहां ऐसी पूर्ववर्ती परीक्षाम्भें में कम्बिनेशन 'बी' लिया गमा हो)।	पेपर 4 ग्रुप सथा सम्पूर्ण ग्रुप 2	मुप 1 के पेपर 1, 2, 3 तथा 4 के प्रत्येक में 40% से कम नहीं तथा कथित पेपर 1, 2 व 3 तथा 4 के कुल योग वे 50% से कम नहीं। पूप 1 के पेपर 1, 2 व 3 के प्रत्येक में संकों के 40% से कम श्रंक नहीं तथा कथित पेपर 1, 2 व 3 के कुल योग के 50% से कम नहीं तथा कथित पेपर 1, 2 व 3 के कुल योग के 50% से कम नहीं।

- (3) ऐसा होते हुए भी उपरोक्त सब-पैरा (1) में विजित, कोई प्रत्याशी यदि एक ग्रुप में एक पेपर में असफल ही जाता है किन्सु ग्रुप के शेष प्रश्न पत्नों में कम से कम 60% ग्रंक प्राप्त कर लेता है, वह उस ग्रुप में उत्तीर्ण घोषित किया जायेगा। यदि वह ग्रागामी तीन उन परीक्षाग्रों में से किसी भी में ग्रिक्षि में बैठता है, जिसमें वह फेल हुआ है और उस प्रश्न पत्न में कम से कम 40% ग्रंक प्राप्त कर लेता है।
- (4) उपरोक्त के पैरा (1) में उल्लिखित कुछ भी न होते हुए भी कोई भी प्रत्याशी सब-पैराग्राफ (2) द्वारा समंजित नहीं किया अक्सेगा जो एक ग्रुप वाले एक या श्रीक्षक प्रश्न पत्नों में फैल होता है किन्तु उसी ग्रुप के किसी या श्रीक्षक प्रश्न पत्नों में न्यूनतम 60% श्रंक प्राप्त कर लेता है तथा उसी ग्रुप के शेष प्रश्मप्रकों में न्यूनतम 30% श्रंक प्राप्त कर लेता है वह श्रागामी तीन श्राते वासी परीकाशों में किसी भी या संगस्त उन प्रश्न पत्नों में बैठने के लिए श्राह्य होगा जिसमें उसने 60% से कम अंक प्राप्त किए हों तथा वह उस ग्रुप में पास घोषित किया जायेगा। यदि ऐसे प्रश्न पत्नों

में प्रत्येक में एक ही ममास में न्यूनतम 40% अंक प्राप्त कर लेता है और उसी ग्रुप के समस्त प्रश्न पत्नों के कुल योग का न्यूनतम 50% अंक प्राप्त कर लेता है, पूर्ववर्ती परीक्षा, जिसका उल्लेख ऊपर किया गया है, मे न्यूनतम 60% अंक उस प्रश्न पत्न या प्रश्न पत्नों के सहित।

(5) इसमें वर्णित सब-पैराग्राफ 3 या सब पैराग्राफ (4) के उद्देश्यों के लिए सब-पैराग्राफ (1) पैराग्राफ 9 के ग्रन्सर्गत श्रांतिम परीक्षा में प्रत्याशी द्वारा एक या श्रधिक प्रश्न पत्नों में प्राप्त छूट पैराग्राफ 9 के सब-पैराग्राफ (2) में श्रन्तर्गत श्रंतिम परीक्षा के संबंध में लागू रहेगी।

छूट: इस सब-पैराग्राफ के उद्देश्य के लिए वह प्रश्न पन्न जिसमें प्रत्याशी बैठना चाहता है जैसा कि उसमें व्यवस्था है का भ्राशय इस धनुंसूची में पैराग्राफ 9 के सब पैरा (2) के भ्रंतर्गत ली गई फाइनल परीक्षा के संबंध में, ऐसी परीक्षा में जिसमें सम्बद्ध प्रश्न पन्न सम्मिलत है, जिसका उल्लेख नीचे किया गया है तथा इस सब-पैराग्राफ मे निर्दिष्ट 50% के हिसाब के लिए ग्रुप का ग्राशय उस ग्रुप से होगा जिसके भ्रन्तर्गत कथित मम्बद्ध प्रश्न पन्न श्राते हैं।

फाइनल परीक्षा जो 1 अप्रैल 1984 से पूर्व होगी

फाइनल परीक्षा जो 1 ग्राप्रैल, 1984 के बाद होगी के प्रथम पत्र

पाइनल पराका जा 1 अवल 1	304 (1 74 61411				प्रश्न पत्र
एडवांस्ड एकाउन्टिंग			<u></u>			एडवांस्ड एकाउन्टिंग
फाइनेशिएल मैनेजमेंट		-	•			मनेजमेंट एकाउन्टिंग
माडिटिंग .						आडिटिंग
कंपनी लॉं.			•			कम्पनी लॉ
डायरेक्ट टैक्स लॉ .					•	डायरेक्ट टेक्स
कास्ट रिकार्डस एंड कास्ट कप	द्रोल	•				कास्ट सिस्टमस एंड कास्ट कंट्रील
कापॉरेट मैनेजमेंट .		•			•	कार्पोरेट मैनेजमेंट
सेक्रेटेस्थिल प्रैक्टिट्स			•		•	सेकेटेरियल प्रैंकिटस
द्मापरेशांस रि कर् ष ग्रंड		•				ग्रापरेशंस रिसर्च एंड स्टेटिसटिकल एवालिसिस-
स्टेटिस्टिकल एकालिसिस		•		•		सिस्टम्स एनालिसिस एंड डेटा प्रोसेसिंग
सिस्टम्स एनालिसिस एंड डेटा		•	•			मैनेजमट प्लानिंग एंड टैक्स मनेजमेंट
प्रोसेसिंग		•				मनेजमेंट एंड धारपरेमान
मैंनेजमेंट इन्फार्मेशन एण्ड कन्द्रे	ोल		•			भार्बिट
सिस्टम्स						
टैक्स प्लानिंग एंड मैनेजर्मेंट						
बैतेलमेंट एंड भापरेयनल भाडि	ट					